भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

जयपुर, 10 जुलाई - 16 जुलाई, 2024

आषाढ़, पक्ष - शुक्ल, तिथि - चतुर्थी , संवत 2081 पृष्ठ : 8 बुधवार वर्ष-10, अंक-20, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

विकास कार्य-बारिश में भी खुदेंगी सड़कें, भले ही किसी की जान पर क्यों न बन जाए?

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

यूं तो सड़कों पर पूरे वर्षभर कार्य चलता है। कभी केबल बिछाने के नाम पर कभी पाइप डालने के नाम पर, तो कभी पानी की लाइनों को सुधारने के नाम पर सड़कों को खोदा ही जाता रहता है। नई सड़क बन कर तैयार हुई, कि अगले कुछ दिनों में किसी न किसी काम को लेकर सड़क को खोद दिया जाता है। कहीं व्यक्तिगत कारणों से शनिवार या रविवार को सड़क खोदकर काम किया और गड्ढे में माटी को बूर दिया जाता है। आने-जाने वाले वहां धचाधच धचके खाते हुए निकल जाते हैं। अभी सबको पता है कि बरसात शुरू हो चुकी है। मगर गैस पाइपों के लिए जगह-जगह सड़कों को खोदा जा रहा है। जैसे ही बरसात हुई कि उन गड्ढों में पानी भरेगा। वाहनचालक को पानी में वह दिखाई नहीं देगा, और वाहनचालक उसमें गिर कर या तो घायल हो जाएगा या फिर पानी का बहाव तेज हुआ तो बह जाएगा। हो सकता है ऐसे में वह अपनी जान से भी हाथ धो बैठे। जो काम बरसात शुरू होने से पहले ही कर लेना चाहिए था वह काम बरसात या तो सर पर आ जाती है तब शुरू होता है, या फिर बरसात शुरू होने के साथ-साथ। जैसे नालों की सफाई या फिर अन्य काम। कई जगह बरसात में सड़कों पर गड्ढे हो जाते हैं उनमें भी गिर कर लोग घायल होते रहते हैं। माना बरसात में तो सड़कें टूट जाती है, इसलिए गड्ढे हो जाते हैं। मगर कोई सरकारी प्रोजैक्ट ही बरसात में शुरू किया जाए, वो भी पानी भराव क्षेत्र में तो उसके बारे में क्या कहा जाएगा। बात कर रहे हैं विद्याधर नगर के सीकर रोड की। यहां पर बरसात में पानी भराव की विकट समस्या है। अगर बरसात तेज और देर तक बरसती है तो यहां पानी बहुत ज्यादा भर जाता है जिसके कारण सड़क पार करना मुश्किल हो जाता है और वाहनों का निकलना दूभर होता है। यहां अभी पिछले दिनों राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने जलभराव से निजात दिलाने के लिए ढेहर का बालाजी क्षेत्र में कार्य प्रारंभ करने की पट्टिका का अनावरण किया है। ये अच्छी बात है और विद्याधर नगर उनका अपना गृह क्षेत्र है, वे यहां से भारी मतों से जीतकर विधानसभा पहुंची हैं। उनका दायित्व है कि यहां की जनता जिन समस्याओं को झेल रही है उनसे उन्हें छुटकारा मिले। मगर यह ध्यान जरूर देना चाहिए कि काम तो जनता की भलाई के लिए किया जा रहा है, मगर इस बरसात के दौर में जो कार्य किया जाएगा, उसमें सड़क को खोदना भी पड़ेगा, जिससे उसमें बरसात का पानी भी भरेगा। पानी भरा होने के कारण वाहनचालक या पैदल यात्री को उधर से गुजरना भी होगा। ऐसे में कहीं ऐसा न हो कि किसी निर्दोष की जान चली जाए। इसलिए कार्य करने वाले इंजीनियरों या जो भी जिम्मेदार लोग हों, उन्हें सख्त निर्देश देने चाहिए कि कार्य के दौरान किसी भी तरह की कोई दुर्घटना की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। वरना अच्छा करते-करते बुराई माथे मंढ़ जाएगी।

shivdayalmishra@gmail.com

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के राष्ट्रपति ने आधिकारिक तौर पर रूस के सबसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान - ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल - से किया सम्मानित

पीएम मोदी रूस के सबसे प्रतिष्ठित नागरिक पुरस्कार से सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के राष्ट्रपति ने आधिकारिक तौर पर रूस के सबसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान - ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल - से सम्मानित किया है। इस दौरान पीए मोदी ने कहा कि मैं हृदय से आपका आभार व्यक्त करता हूं। यह सम्मान केवल मेरा सम्मान नहीं है 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान है। भारत-रूस की सदियों पुरानी गहरी मित्रता का उदाहरण है यह हमारी स्पेशल प्रीवलेज पार्टनरशिप का सम्मान है। पिछले लगभग ढाई दशक से आपके नेतृत्व में भारत-रूस के

संबंध सभी दिशाओं में मजबूत हुए हैं। हर बार नई उंचाइयों को प्राप्त करते रहे हैं। आपने दोनों देशों के बीच जिन संबंधों की नींव रखी थी, वो और निखरी है। पारस्परिक सहयोग हमारे लोगों की बेहतर भविष्य की उम्मीद और गारंटी रहा है। हमने सभी क्षेत्रों में आपसी सहयोग को मजबूत करने के लिए नए और महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत-रूस की पार्टरनशिप और भी अहम हो जाती है यह पूरी दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम दोनों विश्वास रखते हैं कि शांति के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए, हम मिलकर इसी दिशा में काम करते रहेंगे, इस सम्मान के लिए 140 करोड़ भारतवासियों की ओर से आपका, रूसी सरकार का और रूस के लोगों का बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

राज्यपाल ने मुख्य सूचना आयुक्त और राज्य सूचना आयुक्तों को शपथ दिलाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में मोहन लाल लाठर को मुख्य सूचना आयुक्त तथा सुरेश चंद गुप्ता, महेंद्र कुमार पारख और टीकाराम शर्मा को राज्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ दिलाई। इन सभी ने ईश्वर के नाम पर हिन्दी भाषा में शपथ ली। आरंभ में राज्यपाल मिश्र को मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मुख्य सूचना आयुक्त और राज्य सूचना आयुक्तो को शपथ दिलाने के लिए आग्रह किया। राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित समारोह में राज्यपाल ने लाठर को मुख्य सूचना आयुक्त व सुरेश चंद गुप्ता, महेंद्र कुमार पारख और टीकाराम शर्मा को राज्य सूचना आयुक्त बनने पर बधाई दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, विस अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, राज्य मंत्री मण्डल सदस्यगण, भारतीय प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, राज्यपाल सचिव कविता सिंह, प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद थे।

प्रदेश का पूर्ण बजट आज

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी राजस्थान सरकार का वर्ष 2024-25 का परिवर्तित बजट आज विधानसभा में करेंगी पेश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। उप मुख्यमंत्री (वित्त) दीया कुमारी द्वारा बजट टीम-अतिरिक्त मुख्य शासन सचिव (वित्त) अखिल अरोरा, शासन सचिव वित्त (बजट) देबाशीष पृष्टी, शासन सचिव वित्त (राजस्व) कृष्ण कान्त पाठक, शासन सचिव वित्त (व्यय) नरेश ठकराल एवं निदेशक वित्त (बजट) बृजेश किशोर शर्मा के साथ मंगलवार को राज्य के वर्ष 2024-25 के परिवर्तित बजट को अंतिम रूप देते हुए। उप

मुख्यमंत्री दीया कुमारी द्वारा भजनलाल सरकार का पहला पूर्ण बजट बुधवार को प्रातः 11.00 बजे राज्य की विधानसभा में पेश किया जाएगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बजट पूर्व प्रदेश के नागरिकों से बजट को लेकर सुझाव आमंत्रित किए थे।

कठुआ आतंकी हमला

सेना के 5 जवान शहीद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सोमवार (8 जुलाई) को आतंकियों ने सेना की गाड़ी पर हमला कर दिया। इस हमले में जूनियर कमीशंड ऑफिसर समेत 5 जवान शहीद हो गए हैं। आतंकियों के इस हमले में घायल हुए 5 जवानों को कठुआ के बिलावर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से देर रात पठानकोट मिलिट्री हॉस्पिटल रेफर किया गया है।

सेना के सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षाबल दो ट्रकों में कठुआ से करीब 123 किलोमीटर दूर लोहाई मल्हार ब्लॉक के माछेड़ी इलाके के बडनोटा में दोपहर 3.30 बजे पहाड़ी इलाके में पेट्रोलिंग के लिए निकले थे। रास्ता कच्चा था, गाड़ी की रफ्तार भी धीमी थी। एक तरफ ऊंची पहाड़ी और दूसरी तरफ खाई थी। आतंकियों ने इसी दौरान ट्रक पर पहले ग्रेनाइड फेंका फिर स्नाइपर गन से अंधाधुंध फायरिंग की।

कठुआ में शहीद हुए पांच जवान

आतंकियों ने पहाड़ी से घात लगाकर सेना के ट्रक पर पहले ग्रेनेड फेंका, फिर स्नाइपर गन से फायरिंग की। सेना ने भी काउंटर फायरिंग की, लेकिन आतंकी जंगल में भाग गए। फिलहाल सेना, आतंकियों की तलाश कर रही है। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक, हमले में 3 से 4 आतंकियों के शामिल होने की बात सामने आ रही है।

GODSHIP ACADEMY
To Cherish & Nurture Your Child
Where your search ends
A School where you can rest assured about your child's future and character building
Admissions Open 2024-25
Play Group To VIII
Day Boarding Facility
Fully Air Conditioned
DAY BOARDING FACILITY
FULLY AIR CONDITIONED
CONVEYANCE FAVILITY
VIDHANSABHA VISIT
CHRISTMAS CELEBRATION
COMPUTER LAB
POOL PARTY
INTERNATIONAL EXPOSURE
YOGA CLASS
DIWALI CELEBRATION
ZOO VISIT
GRADUATION CEREMONY
SPORTS DAY
HALLOWEEN PARTY
DENTAL CHECKUP
D-13-14, MEERA MARG, BANIPARK, JAIPUR
Ph. : 0141-2203388, 4055231, 9829240807 • www.godshipacademy.com

CAMBRIDGE PUBLIC SCHOOL
148-149, 168 Rameshwar Dham, Jaipur (Raj.) :0141-2421039, : 8696777787
Nursery to X
SCHOOL AT A GLANCE
- Trained teachers, co-teachers & caretaker in a class of 30 students to facilitate individual attention.
- Smart classes with projector in every classroom.
- Well equipped computer lab.
- Science Lab
- Air conditioned classrooms.
- Auditorium.
- Play zone area.
- Extracurricular activities (Dance, Sports, Art & Craft etc.)
Education is not preparation for life; education is life itself.
cambridgepublic.schooljaipur
www.cambridgepublicschooljaipur.com

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net

JAGRUK CITY
जागरूक सिटी

02 जयपुर, बुधवार
10 जुलाई - 16 जुलाई 2024

/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

जागरूक खबरें

20 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य

» **जागरूक जनता @ तारानगर (चूरू)।** नगरपालिका क्षेत्र तारानगर में इस बार मानसून के दौरान करीब बीस हजार पौधे लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें से पांच हजार पौधे इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारण्टी योजनांतर्गत लगाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आईआरजीवाई के तहत पौधारोपण का शुभारम्भ नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी अजय प्रताप सिंह द्वारा करवाया गया और अजय प्रताप सिंह एवं कनिष्ठ लेखाकार अनिल कुमार ने आम जन को अधिक से अधिक पौधारोपण करने का सन्देश दिया है। पौधारोपण में अधिशाषी अधिकारी अजय प्रताप सिंह, कनिष्ठ लेखाकार अनिल कुमार, समस्त आईआरजीवाई स्टाफ मौजूद रहे।

पर्यवेक्षक (महिला) सीधी भर्ती परीक्षा-2024 के लिए नियंत्रण कक्ष की स्थापना

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा शनिवार, 13 जुलाई को पर्यवेक्षक (महिला) सीधी भर्ती परीक्षा-2024 का आयोजन होगा। भर्ती परीक्षा का आयोजन प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जयपुर शहर के 11 केन्द्रों पर होगा जिसमें कुल 2 हजार 506 अभ्यर्थी अपनी किस्मत आजमाएंगे। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिये कलक्ट्रेट के कमरा नंबर 116 में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है जिसका संचालन 11 जुलाई से 13 जुलाई,2024 तक किया जाएगा।

व्यवसायिक/शिक्षा ऋण योजना आवेदन 25 तक

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** व्यावसायिक/शिक्षा ऋण योजना के तहत अल्पसंख्यक समुदाय के पात्र एवं इच्छुक आवेदक 25 जुलाई 2024 तक आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने बताया कि अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम, सिक्ख, जैन, ईसाई, बौद्ध पारसी) के पात्र आवेदकों से व्यावसायिक/शिक्षा ऋण योजना के तहत 25 जुलाई तक ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। उन्होंने बताया कि आवेदक कार्यालय, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, राजकीय अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास, शिप्रा पथ, सेक्टर नंबर-7 मानसरोवर में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

सरोज यादव कार्यकारी नर्सेज एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ (भामस.)की वरिष्ठ कार्यकर्ता सरोज यादव को राजस्थान राज्य नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रामवीर सिंह सोलंकी ने कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। गौरतलब है कि यादव कर्मचारी महासंघ की संयुक्त महामंत्री, राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वाह कर चुकी है। राजस्थान नर्सेज संघर्ष समिति के अध्यक्ष सोम सिंह और प्रदेश सयोजक मनोज दुब्बी महिला महामंत्री रिंकु बैनीवाल भी यादव को बधाई दी।

सातवें असमान पर सब्जी के दाम : मौसम में आए बदलाव के कारण बढ़ने लगे दाम

₹80 टमाटर तो ₹100 किलो टिंडा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। देश में सब्जी के दाम अचानक सातवें असमान पर पहुंच गए हैं। अचानक बढ़ते सब्जी के दामों से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मंडी में सब्जी खरीदने पहुंच रहे व्यक्ति बढ़ते सब्जी के दाम सुन हैरान हैं। अधिक मात्रा में सब्जी लेने पहुंच रहे लोग अचानक काम सब्जी खरीद कर अपने घर में ले जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि महंगाई के कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिस कारण घर का गुजारा कर पाना काफी मुश्किल हो चुका है, जहां टमाटर अब अपना असली लाल रंग दिखाने लगा है, वहीं अन्य सब्जी भी आम लोगों की पहुंच से बाहर हो रही है।

अचनाक बढ़ें सब्जियों के दाम

बदलते मौसम के कारण 40 रुपये किलो बिकने वाला लाल टमाटर 80 रुपए किलो तक पहुंच गया है, 120 रुपये किलो बिकने वाला हरा मटर अब 200 रुपए किलो तक बिक रहा है। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले 200 रुपये किलो बिकने वाली अदरक 300 रुपए प्रति किलो तक बिक रही है। वही 40 रुपये किलो वाली बिकने वाली गोभी 60 रुपये किलो तक मंडी में बिक रही है।

इसलिए बढ़ रहे सब्जियों के दाम

सब्जी विक्रेता के मुताबिक सब्जी के बढ़ते दामों के कारण मंडी में सब्जी कम पहुंच रही है, जिस वजह से सब्जी के दामों में काफी इजाफा हो रहा है। टमाटर 80 रुपए प्रति किलो, मटर 200 रुपए प्रति किलो, अदरक 300 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, मंडी में ग्राहक भी काफी कम आ रहे हैं क्योंकि सब्जी महंगी हो गई है। जिस कारण लोग सब्जी लेने कम संख्या में मंडी में पहुच रहे हैं। मंडी में सब्जी खरीदने पहुंच रहे लोगों का कहना है कि टमाटर और मटर इतने महंगे हो चुके हैं कि गरीब आदमी उसे खरीदकर नहीं खा सकता है, क्योंकि अब सब्जी उनकी पहुंच से बाहर हो चुकी है।"

पिंकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष और महासचिव की मुख्यमंत्री से मुलाक़ात

पत्रकारों की समस्याओं के निराकरण के लिए सौंपा ज्ञापन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष डॉ.वीरेन्द्र सिंह राठौड़ और महासचिव योगेन्द्र पंचौली ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान अध्यक्ष और महासचिव ने मुख्यमंत्री को पिंकसिटी प्रेस क्लब एवं पत्रकारों से जुड़ी 11 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। पत्रकार आवास योजना के शीघ्र निराकरण, कैशलेस मेडिक्लेम बीमा योजना का दायरा 10 लाख तक बढ़ाते हुए पूर्व की भांति बहाल करने। राज्य सरकार के बजट 2024-25 में पिंकसिटी प्रेस क्लब के लिए सोलर प्लांट की राशि स्वीकृत करने, पत्रकार बालिका प्रोत्साहन योजना शुरू करने, अधिस्वीकृत पत्रकारों को रियायती दरों पर होम लोन की सुविधा,पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने, अधिस्वीकृत पत्रकारों को राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसों के संचालन तक सभी बसों में सुविधा देने, पूर्व की भांति रेल सुविधा बहाल करने, अधिस्वीकरण नियमों में पारदर्शिता एवं सरलीकरण, डीआईपीआर के नियम 11/5 व डिजिटल/ सोशल मीडिया पॉलिसी का सरलीकरण करने के संबंध में मांग रखी। जिस पर मुख्यमंत्री शर्मा ने बजट 2024-25 में पत्रकारों की मांगों को शामिल करने का सकारात्मक आश्वासन दिया।

जयपुर-किशनगढ टोल पर अब देना होगा आधा टोल, नोटिफिकेशन जारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने आखिरकार जयपुर-किशनगढ़ छह लेन हाईवे की टोल दरों में संशोधन कर दिया है। जयपुर से किशनगढ़ के बीच अब चौबीस घंटे में रिटर्न जर्नी (वापस आने) पर आधा ही टोल देना होगा। पिछले सप्ताह एनएचएआई ने नई टोल दरों का संशोधित गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। करीब 21 साल से इस नेशनल हाईवे पर रिटर्न जर्नी पर भी टोल में कोई छूट नहीं मिल रही थी।

नए नियमों के अनुसार चौबीस घंटे में रिटर्न जर्नी पर जयपुर से किशनगढ़ के बीच पड़ने वाले दोनों टोल पर अलग-अलग श्रेणी के वाहनों को 70 रुपए से लेकर 450 रुपए तक का फायदा होगा। नई नियम लागू होने से पहले छोटे वाहनों को चौबीस घंटे में रिटर्न जर्नी पर 280 रुपए और बड़े व भारी वाहनों को 1800 रुपए देने पड़ रहे थे। अब छोटे वाहनों को रिटर्न जर्नी पर 210 रुपए और बड़े व भारी वाहनों को 1350 रुपए चुकाने होंगे।

मंथली पास की व्यवस्था भी लागू

नए नियम लागू होने से पहले इस हाईवे पर मंथली पास की व्यवस्था नहीं थी। अब मंथली पास भी बन सकेगा। छोटे वाहनों से लेकर बड़े वाहन मंथली पास बनवा सकेंगे। एक मंथली पास से एक माह में पचास यात्राएं की जा सकेंगी।

ग्रेटर निगमः कार्यकारिणी समिति की बैठक

आवासीय कॉलोनी में नहीं खुल सकेगी मीट शॉप

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्रेटर निगम में अब मीट की दुकान चलाने के लिए व्यावसायिक पट्टा होने पर ही लाइसेंस जारी किया जाएगा।कार्यकारिणी समिति की बैठक में सर्वसम्मति से ये फैसला लिया गया। छह घंटे तक बैठक चली।

सामाजिक सहायक एवं लोक कल्याण समिति अध्यक्ष गजेंद्र सिंह चिराणा ने करणी पैलेस रोड पर संचालित मीट की दुकान का मुद्दा उठाया। इसके बाद महापौर व अन्य सदस्यों ने प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए कहा। बैठक में तय हुआ कि लाइसेंस लेने के बाद दुकान पर लिखना होगा कि मीट झटका है या हलाल ताकि खरीदते समय ग्राहकों को जानकारी रहे। जो दुकानें आवासीय इलाकों में हैं, उनका लाइसेंस नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। साथ ही थड़ियों में चलने वाली दुकानों को निगम बंद कराएगा। ग्रेटर निगम सीमा क्षेत्र में 300 दुकानें लाइसेंस के साथ चल रही हैं। जबकि, 100 दुकानों के लाइसेंस के आवेदन लम्बित हैं। करीब 20 माह बाद हुई बैठक के एजेंडे में 53 प्रस्ताव थे, इनमें से 51 पर मोहर लग गई। मीट की दुकानों का प्रस्ताव अतिरिक्त के रूप में शामिल किया गया था। जलभराव के दौरान मिट्टी के कट्टों में कम वजन को लेकर भी सदस्यों ने बैठक में सवाल खड़े किए। वहीं, टोंक रोड और बिंदायका में एक सड़क के नामकरण को लेकर प्रस्ताव पर महापौर ने रिपोर्ट मांगी। बैठक में उप महापौर पुनीत कर्णावट, समिति सदस्य अभय पुरोहित, जितेंद्र श्रीमाली, अरुण शर्मा, अजय चौहान, प्रवीण यादव, रश्मि सैनी सहित अन्य मौजूद रहे।

पट्टों में देरी, फूटा गुस्सा

बैठक में सदस्यों ने पट्टे जारी करने में हो रही देरी पर नाराजगी जाहिर की। कहा कि अधिकारी और कर्मचारी मनमानी करते हैं और लोगों को चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। पट्टे की 2700 फाइलें लम्बित हैं। महापौर ने इन फाइलों का एक माह में निस्तारण करने के निर्देश दिए। कागजों की पूर्ति अगले 15 दिन में कराने के लिए भी महापौर ने अधिकारियों से कहा। सफाई समिति के चेयरमैन रामस्वरूप मीणा ने कहा कि मेरा पट्टा ही नहीं मिला। जबकि, मेरे माता-पिता यहां कई बार चक्कर लगा चुके।

पार्कों को दिया जाएगा गोद

पार्कों का रखरखाव जन सहभागिता के तहत किया जाएगा। इसके लिए एक समिति का गठन भी किया गया है। समिति नियमों को बनाएगी। भामाशाहों से लेकर विभिन्न संस्थाओं और सीएसआर से उद्यान समिति अध्यक्ष राखी राठौड़ ने कहा कि हर वार्ड में पार्षद 50 घरों का पता दे दें तो वहां पर निगम पौधे लगाएगा। इससे घरों के आगे हरियाली करने की शुरुआती होगी।

डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर ने किया लॉंच

अब बाजार में मिलेगा कर्ण श्रीखंड

कर्ण श्रीखंड वजन कम करने में सहायक

भविष्य में छात्रों को व्यवसाय शुरू करने में मिलेगी मदद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोबनेर। डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर का "कर्ण श्रीखंड" के नाम से नया डेयरी उत्पाद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह द्वारा लॉन्च किया गया। महाविद्यालय की प्रायोगिक डेयरी इकाई के अन्तर्गत ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान छात्र एवं छात्राओं के प्रायोगिक कौशल के विकास हेतु "कर्ण श्रीखंड" का उत्पादन शुरू किया गया।

इस मौके पर कुलपति डॉ बलराज सिंह ने छात्रों को तेलीय पदार्थ की जगह "कर्ण श्रीखंड " का उपयोग करने की बात कही। उन्होंने कहा कि डेयरी उत्पादों के उत्पादन से राजस्व उत्पत्ति होगी तथा क्षेत्र के लोगों का स्वास्थ्य भी अच्छा होगा। साथ ही, कर्ण श्रीखंड वजन कम करने में भी सहायक है। अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष डॉ एम आर चौधरी ने बताया कि महाविद्यालय में मिल्क पैकिंग का काम भी दोबारा शुरू किया जाएगा व साथ ही जैम, जेली, मुरब्बा आदि उत्पादों पर भी काम किया जाएगा। डेयरी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. महेश दत्त ने महाविद्यालय मे विद्यार्थीयों के लिए विभिन्न प्रायोगिक डेयरी विषयों के बारे में विस्तार से बताया तथा दुग्ध एवं डेयरी उत्पादों के ऐतिहासिक पहलुओं पर भी प्रकाश डाला तथा डेयरी उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि करने की अनुशंसा की। सहायक आचार्य डॉ. उर्मिला चौधरी के मार्गदर्शन में "कर्ण श्रीखंड" का निर्माण किया गया जिसमें मानसी राठौड़ तकनीकि सहायक ने सहयोग किया। कार्यक्रम के अन्त में प्रो जुनैद अख्तर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। अन्त में प्रो. जुनैद अख्तर ने सभी का धन्यवाद किया।

शुभ संयोग में आएगा श्रावण, शिव की होगी आराधना

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। हिन्दू धर्म में वैसे तो सभी महीनों का विशेष महत्व है, लेकिन सावन का महीना बेहद खास माना जाता है। श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित होता है। मान्यता है सावन के महीने में की जो भी पूजा पाठ की जाती है उसका विशेष फल प्राप्त होता है। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि इस बार सावन पर काफी अद्भुत संयोग बन रहे हैं। सावन इस साल विशेष इसलिए भी है, क्योंकि सावन के महीने की शुरुआत सोमवार से ही हो रही है। भगवान भोलेनाथ की आराधना के पवित्र श्रावण मास की शुरुआत इस बार कृष्ण पक्ष की एकम 22 जुलाई से होगी। इस दिन सोमवार है।

हिन्दू धर्म में वैसे तो सभी महीनों का विशेष महत्व है, लेकिन सावन का महीना बेहद खास माना जाता है। श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित होता है। मान्यता है सावन के महीने में की जो भी पूजा पाठ

की जाती है उसका विशेष फल प्राप्त होता है। इस बार सावन पर काफी अद्भुत संयोग बन रहे हैं। सावन इस साल विशेष इसलिए भी है, क्योंकि सावन के महीने की शुरुआत सोमवार से ही हो रही है। भगवान भोलेनाथ की आराधना के पवित्र श्रावण मास की शुरुआत इस बार कृष्ण पक्ष की एकम 22 जुलाई से होगी। इस दिन सोमवार है।

19 अगस्त को संपन्न

श्रावण का समापन श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 19 अगस्त को होगा, इस दिन भी सोमवार रहेगा। श्रावण मास 29 दिन का रहेगा, जिसमें कृष्ण पक्ष 14 दिन और शुक्ल पक्ष के 15 दिन होंगे। पंडितों ने बताया कि श्रावण मास में 5 सोमवार का आना और पहले और अंतिम दिन सोमवार होना शुभ संकेत हैं। यही नहीं श्रावण कृष्ण पक्ष का प्रारंभ सोमवार से और श्रावण शुक्ल पक्ष का प्रारंभ भी सोमवार से ही होगा। आखिरी सोमवार को पूर्णिमा तिथि के साथ रक्षाबंधन पर्व का संयोग भी रहेगा। श्रावण माह में पांच सोमवार होने से आमजन के लिए धन-धान्य सुख-समृद्धि कारक हैं।

अमृत सिद्धि, रवि योग

ज्योतिष में विषय संया का काफी महत्व है। जैसे पांच सोमवार का होना या 20 दिनों का माह होना और इसके साथ ही 9 योग का होना अति शुभ है। श्रावण मास शिव का महीना है। ऐसे में इस माह पांच सोमवार होना संयोग से कम नहीं है। सामान्य तौर पर हर माह सोमवार चार ही होते हैं। दूसरी तरफ इस माह राजयोग, कुमार योग, दुग्ध योग, अमृत सिद्धि योग, व्रज मूसल योग, स्थिर योग, रवि योग, राजयोग और सिद्धि योग आदि योग भी रहेंगे। श्रावण माह का पहला सोमवार 22 जुलाई को, दूसरा सोमवार 20 जुलाई, तीसरा सोमवार 5 अगस्त, चौथा सोमवार 12 अगस्त एवं पांचवां सोमवार 10 अगस्त को रहेगा।

देखें पेज-3
हर हाथ में हो कपड़े का थैला

ANCHOR **वन्यजीव संरक्षण**

पाठ्यक्रम में कब आएगा वाइल्ड लाइफ?

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सरकार भले ही वन और वन्यजीव संरक्षण के दावे कर रही है, लेकिन उसमें रूचि रखने वाले लोगों को निराश कर रही है। खासकर युवाओं में नाराजगी है। इसकी वजह वन एवं वन्यजीव को पूरी तरह से स्कूली व कॉलेज पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किए जाना है। दरअसल, रणथम्भौर नेशनल पार्क, सरिस्का टाइगर रिजर्व, झालाना लेपर्ड रिजर्व, घना पक्षी विहार, नाहरगढ़ जैविक उद्यान समेत राजस्थान के वन अभयारण्यों में सालाना कुल 40 लाख से ज्यादा लोगों की आवाजाही होती है। इनमें ज्यादातर युवा और बच्चे शामिल है। उनमें भी कई ऐसे होते हैं, जो वाइल्ड के प्रति गहरी रूचि रखते हैं। जो कुछ न कुछ सीखने के लिए यहां पर आते हैं। इनमें कई वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के लिए भी आते हैं। बातचीत में इन युवा सैलानियों ने बताया कि वाइल्ड लाइफ को लेकर यूथ में क्रेज बढ़ता जा रहा है। कई युवा, बच्चे इसे गहराई से समझना चाहते हैं और इसमें करियर भी तलाश रहे हैं। इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाते हुए स्टडी पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। जिसके तहत डिग्री-डिप्लोमा कोर्स के जरिए वन एवं वन्यजीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी, रेस्क्यू मैनेजमेंट समेत कई विधाओं की जानकारी मिल सकें। इससे ना केवल युवाओं में प्रकृति के प्रति जुड़ाव उत्पन्न होगा बल्कि वन एवं वन्यजीव संरक्षण भी होगा। साथ ही प्रकृति को भी बचाया जा सकेगा।

इसलिए भी जरूरत

राज्य में वन विभाग गोडावन, खरमोर के संरक्षण, टाइगर के संरक्षण को विशेष कार्य कर रहा है। दूसरे राज्यों में हाथी, गेंडा समेत कई अन्य वन्यजीवों के संरक्षण में विशेष कार्य हो रहे हैं। उनके बारे में भी पूरी जानकारी होनी चाहिए। वर्तमान में क्लायमेंट चेंजेज बड़ी चुनौती साबित हो रही है। इससे निपटने के लिए भी जानकारी उपलब्ध करवाना जरूरी है। विगत कुछ वर्षों में पक्षियों को लेकर भी लोगों में रूचि बढ़ी है। उसकी पहचान, उनके आवास, प्रकृति में उनका योगदान समेत कई जानकारी मिल सके।

स्कूली पाठ्यक्रम से हो शुरुआत

वन एवं वन्यजीव के बारे में बच्चों को बचपन से ही पढ़ाया जाएं। इसे स्कूली सिलेबस में जोड़ने की जरुरत है। इससे बच्चे को कीट-जानवर, पेड़-पौधों का महत्व समझ में आ सके कि वो ना केवल हमसें कुछ ले रहे हैं बल्कि हमें दे भी रहे हैं। उनके बिना मानव जीवन भी संभव नहीं है। ऐसा होने से बच्चा जीवनभर संरक्षण में उपयोगी साबित होगा।

-डी.एन पाण्डेय, पूर्व प्रधान मुख्य वनसंरक्षक (हॉफ), वन विभाग

सरकार को इस संबंध में ठोस कदम उठाते हुए एक कमेटी गठित करनी चाहिए। जिसमें भारत वन्यजीव संस्थान, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री समेत कई संगठनों के वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ शामिल हों। वो सब मिलकर पाठ्यक्रम बनाएं और उसे सरकार स्कूली शिक्षा से ही लागू करें। पाठ्यक्रम में कीट से हाथी, हवा, बांध से लेकर नदियां, जलवायु, पेड़-पौधे सब को शामिल करें।

-सतीश शर्मा, वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ, पूर्व वन अधिकारी

भजनलाल मंत्रिमंडल में होगा बदलाव!

राजस्थान में अभी विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। ऐसे में संभवत: अगस्त में भजनलाल सरकार के मंत्रिमंडल में बदलाव हो सकता है

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने सोमवार को मंत्रिमंडल विस्तार कर दिया है। ऐसे में अब राजस्थान में भी मंत्रिमंडल फेरबदल और विस्तार की चर्चा सियासी गलियारों में तेज हो गई है। राज्य में अभी विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। ऐसे में संभवतः अगस्त में भजनलाल सरकार के मंत्रिमंडल में बदलाव हो सकता है। विधानसभा के चालू सत्र के बीच मंत्रिमंडल विस्तार की परम्परा कम ही रही है। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीना का इस्तीफा स्वीकार होगा या नहीं। यह मामला भी संभवतः मंत्रिमंडल फेरबदल और विस्तार तक लंबित रह सकता है। भाजपा के दिल्ली से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार पिछले दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दिल्ली गए थे। दिल्ली यात्रा के दौरान मंत्रिमंडल फेरबदल और विस्तार को लेकर कुछ नेताओं से फौरी तौर पर चर्चा हो चुकी है। अभी और चर्चा होगी। लोकसभा चुनाव में हुई हार का असर भी इस मंत्रिमंडल फेरबदल और विस्तार में दिखेगा। जिन विधायकों ने अच्छा परिणाम दिया है, उनको मंत्री पद से नवाजा जा सकता है। जिन मंत्रियों के यहां परिणाम खराब आया और मंत्री के रूप में छह माह की परफार्मेंस भी खराब रही है। ऐसे मंत्रियों को हटाया भी जा सकता है। बताया जा रहा है कि 3 से 4 मंत्रियों को लेकर दिल्ली में ज्यादा शिकायतें हैं। ऐसे में उनको हटाने की ज्यादा संभावना है। कुछ मंत्रियों के विभागों में भी बदलाव होगा।

30 सदस्य हो सकते हैं, अभी 24

नियमानुसार कुल विधायकों के 15 प्रतिशत सदस्य ही मंत्री बन सकते हैं। प्रदेश की विधानसभा में 200 सदस्य हैं। ऐसे में सीएम सहित कुल 30 मंत्री बनाए जा सकते हैं। वर्तमान में सीएम सहित 24 मंत्री बने हुए हैं। मंत्रियों के छह पद रिक्त हैं और किरोड़ी मीना के इस्तीफे पर निर्णय होना है। ऐसे में यदि सरकार 3 से 4 मंत्रियों को हटाती है तो 8 से 10 नए विधायकों को मंत्री बना सकते हैं।

5 सीटों पर उपचुनाव का भी दिखेगा असर: मंत्रिमंडल विस्तार में क्षेत्र और जातिगत समीकरण भी साधे जाएंगे, जिससे 5 सीटों पर जल्द होने वाले उप चुनाव पर भी भाजपा को फायदा मिल सके। पूर्वी राजस्थान, शेखावाटी और वागड़ से नए विधायकों को मंत्री बनाए जाने की संभावना ज्यादा है।

रूस में 'आयुष्मान भारत' को लेकर मोदी के बयान पर भड़के गहलोत

आयुष्मान योजना में महज 40% लोगों को केवल 5 लाख तक की सुविधा

» जागरूक जनता @ जयपुर। रूस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयुष्मान भारत को दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना बताने पर राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत बुरी तरह भड़क गए। पूर्व सीएम गहलोत ने पीएम मोदी को जमकर खरी खोटी सुनाई। साथ ही राजस्थान में चिरंजीवी योजना का नाम बदलने और 25 की जगह 5 लाख रुपए तक के इलाज की सुविधा देने को लेकर भी भजनलाल सरकार पर हमला बोला। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने मंगलवार को पीएम मोदी एक वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री रूस में आयुष्मान भारत को दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना बताकर वाहवाही लेने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, सत्य ये है कि आयुष्मान योजना से देश के केवल 40 प्रतिशत परिवारों को ही महज 5 लाख रुपए तक के इलाज की सुविधा मिलती है जो की गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए नाकाफी है।

प्रदूषण एवं प्लास्टिक मुक्त राज्य के लिए संकल्पित राज्य सरकार

हर हाथ में हो कपड़े का थैला-विजय

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर @ डॉ. अमृता कटारा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पूरे राज्य को प्रदूषण मुक्त करने एवं सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग से मुक्त करने के लिए राज्य भर में प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। एक ओर जहाँ वृहद स्तर पर विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं निजी संस्थाओं के सहयोग से पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है वही हर घर को प्लास्टिक केरी बैग्स से मुक्त करने के लिए मंडल के अधिकारियों द्वारा घर- घर जाकर न केवल सिंगल यूज़ प्लास्टिक के वस्तुएं उपयोग नहीं करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है बल्कि कपडे के थैले बाँटकर प्लास्टिक कैरी बैग्स का का उपयोग नहीं करने की भी शपथ दिलवाई जा रही है।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव एन विजय ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रदूषण मुक्त राज्य की संकल्पना को साकार करने के क्रम में राज्य अग्रसर है और सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्लास्टिक कैरी बैग्स का उपयोग न के बराबर हो इसके लिए सार्थक प्रयास धरातल स्तर पर किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कार्यालय कार्यो, नियम- कायदे बनाने के साथ उन्हें समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचना हमारी मौलिक जिम्मेदारी है जिसके तहत मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी घर-घर तक इस मुहीम को लेकर जा रहे है और कपड़े के थैलों का वितरण कर प्लास्टिक कैरी बैग्स उपयोग नहीं करने के लिए शपथ दिलवा रहे है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की प्रदूषण एवं प्लास्टिक मुक्त राज्य की व्यापक एवं दूरगामी सोच को साकार करने के हर स्तर पर हर संभव प्रयास किये जा रहे है।

घर-घर कपड़े के थैले का वितरण

सदस्य सचिव ने कहा कि मंडल के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर कपड़े के थैले वितरित करने की इस मुहिम का एक ही उद्देश्य है कि राज्य के प्रत्येक नागरिक के हाथ में प्लास्टिक कैरी बैग की जगह कपड़े का थैला दिखाई दे वही व्यापारिक संस्थानों एवं दुकानों पर भी कपड़े के थैले ही उपयोग में लिए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रयास किया जायेगा कि मंडल की यह मुहिम तब तक जारी रहे जब तक प्रत्येक व्यक्ति के हाथ में कपड़े का थैला नहीं आ जाता।

श्यामधनी प्राइवेट लिमिटेड देश में उच्च गुणवत्ता और शुद्ध मसालों की बिक्री से जुड़ी प्रमुख मसाला उत्पाद निर्माता कंपनी है

श्यामधनी शुद्ध मसालों और गुणवत्ता युक्त उत्पाद के लिए प्रतिबद्ध

फिर भी एक उत्पाद रिपोर्ट की बार बार पुनरावर्ती

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। श्यामधनी प्राइवेट लिमिटेड देश में उच्च गुणवत्ता और शुद्ध मसालों की बिक्री से जुड़ी प्रमुख मसाला उत्पाद निर्माता कंपनी है। श्याम मसाले देश के विभिन्न राज्यों के नागरिकों के किचन में प्रमुखता से उपयोग होते है।

श्यामधनी प्राइवेट लिमिटेड की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार कंपनी अपने उत्पाद की गुणवत्ता को लेकर हमेशा कड़े मापदंड अपनाने के लिए जानी जाती है। अपने ग्राहकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पिछले 25 वर्षों से कंपनी नियमित रुप से अपने उत्पादों की सरकारी मान्यता प्राप्त स्वतंत्र लेबोरेट्री से जांच करवाती रही है। इस परिणाम स्वरूप कंपनी के पास लगभग 400 से अधिक सैंपल रिपोर्टों का रिकॉर्ड ऑफिस फाइल में संग्रहित है। अभी सरकार द्वारा चलाए गये अभियान के तहत भी श्याम मसाले के अनेकों सैंपल लिए गये। सभी सैंपल खाद्य विश्लेषक के अनुसार एफएसएसए एक्ट के निर्धारिक मानक स्तर के अनुसार पाए गए हैं।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि एकमात्र सैंपल गरम मसाला उत्पाद में एसिटामिप्रिड की मात्रा तय मानकों से आंशिक रूप से अधिक पाई गई बताया है, जो तथ्य भी सही नही कहा जा सकता। इसका कारण है कि जिस प्रयोगशाला द्वारा कम्पनी ने जाँच रिपोर्ट करवाई उसी लैब से खाद्य सुरक्षा विभाग ने उत्पाद की जाँच रिपोर्ट करवाई। जाँच रिपोर्ट का बैच नं. एवं पैकिंग दिनांक समान है सब कुछ समकक्ष होने के उपरांत भी जाँच रिपोर्ट अलग-अलग आई है। इस प्रकार उपरोक्त उत्पाद के एक ही लोट नं. सैंपल की पुनरावर्ती करी जा रही है।

युवा राष्ट्र के नवनिर्माण के संवाहक बनें-राज्यपाल मिश्र

राज्यपाल कलराज मिश्र ने 'यूथ फॉर नेशन' की राजस्थान इकाई का उद्घाटन किया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है किसंविधान सर्वोच्च है। यह हमें अधिकार देता है तो कर्तव्य पालन की सीख से भी जोड़ताहै। उन्होंने 'यूथ फॉर नेशन' संगठनसे संविधान-संस्कृति के आलोक में राष्ट्र के नव निर्माण का संवाहक बनने का आह्वानकिया है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है और देश की सुरक्षा, शासन और कल्याण में युवाओं को संकल्पबद्ध होकरभागीदारी बढ़ानी चाहिए।

मिश्र मंगलवार को महात्मा गांधी मेडिकल साईंस एण्ड टेक्नोलोजी यूनिवर्सिटी सभागार में 'यूथ फॉर नेशन' संगठनकी राजस्थान इकाई के उद्घाटन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा किराजस्थान में इस संगठन की शुरुआत से यहां के युवाओं को बेहतर ढंग से नियोजित करउनकी ऊर्जा का राष्ट्र निर्माण में इस्तेमाल किया जा सकेगा। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादीढांचे में युवाओं को महती भूमिका निभाने के साथ 'विकसितभारत' के संकल्प को पूरा करने के लिए भी कार्य करने कीआवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि भारत एक जीवंत और सहभागी संघीय लोकतंत्र के रूपमें तभी अधिक सुदृढ हो सकेगा, जब युवा राष्ट्र के लिए समर्पित भाव से काम करेंगें। उन्होंने लोकतंत्र के सशक्तिकरण में युवाओं कोआगे आकर पहल करने तथा अधिकारों के साथ संविधान प्रदत्त कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कियह बहुत महत्वपूर्ण है कि भारत की सकल राष्ट्रीय आय-जीडीपी में लगभग 34 प्रतिशत योगदान युवाओं का है। उन्होंने कहा कि इसवर्ग की भागीदारी सकल राष्ट्रीय आय और उत्पादकता बढ़ाने में और कैसे बढ़े, इस पर हमें विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंनेकहा कि युवा पीढ़ी समाज की वर्तमान स्थिति को नवीनीकृत और ताजा बनाए रखने के साथ राष्ट्र के संसाधनों के बेहतर उपयोग की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा किभारत में लगभग 260 मिलियन युवा हैं। इनमें पुरुष और महिलाएं दोनोंशामिल हैं। लगभग 10 से 12 मिलियनयुवा हर साल कार्य करने के योग्य होकर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी करने के योग्यहो जाते हैं।

नए क्रिमिनल लॉज के तहत राजस्थान में ई-साक्ष्य एप लॉन्च

बीएनएसएस के तहत अब 'ई-साक्ष्य' एप पर दर्ज एवीडेंस 'क्लाऊड' पर रहेंगे सुरक्षित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। देश में गत एक जुलाई से लागू नवीन आपराधिक कानूनों के तहत डिजिटल साक्ष्यों को एप के माध्यम से संकलित कर उन्हें क्लाउड पर स्टोरेज करने के लिए राजस्थान पुलिस द्वारा नई शुरुआत की गई है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के द्वारा 'ई-साक्ष्य एप' तैयार किया है, जिसे शुक्रवार को पूरे प्रदेश के लिए लॉन्च कर दिया गया है।

यह जानकारी देते हुए पुलिस महानिदेशक, साइबर अपराध एवं एससीआरबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि नए क्रिमिनल लॉज के तहत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) में किसी भी अपराध से संबंधित एवीडेंस को डिजिटल रूप में संकलित एवं सुरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। इस एप को अनुसंधान अधिकारी (आईओ) अपने मोबाइल पर इंस्टॉल करके घटना से संबंधित साक्ष्यों को डिजिटल फॉर्म में रिकॉर्ड कर सकेंगे। सभी प्रकार के सर्च एवं सीजर की वीडियोग्राफी भी इस एप से की जाएगी। वीडियोज की 'हैस वेल्यू' तत्समय ही निकाली जायेगी एवं न्यायालय में पहुंचने तक इसे सुरक्षित रखा जाएगा। वहीं इस एप पर संकलित साक्ष्यों को सीधे ' क्लाऊड' पर डाल दिया जाएगा। ऐसे में क्लाउड पर सुरक्षित डिजिटल साक्ष्यों से किसी प्रकार की छेड़खानी नहीं की जा सकेगी और पारदर्शी तरीके से अनुसंधान का मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रियदर्शी ने बताया कि इस एप को पूरे प्रदेश में लागू कर दिया गया है। इससे पूर्व प्रदेश के अलग-अलग पुलिस जिलों से 4000 ट्रायल वीडियो मंगा कर इस एप का परीक्षण किया गया। सफल परीक्षण के बाद इस एप के पूरे प्रदेश में उपयोग के लिए पुलिस मुख्यालय से निर्देश जारी किए गए हैं। आज के बाद प्रदेश में फील्ड में घटित होने वाली घटनाओं के बारे में साक्ष्यों की रिकॉर्डिंग एप के माध्यम से होगी, यह एप पूरी तरह से सुरक्षित है।

'एक व्यक्ति एक पेड़' अभियान

कृषि विभाग लगाएगा लगभग एक लाख पौधे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में हरित राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने के लिए कृषि विभाग निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में कृषि विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए राज्य भर में हरियाली व पर्यावरण शुद्धिकरण के लिए लगभग एक लाख पांच हजार छायादार व फलदार पौधे लगाये जा रहे है। आयुक्त कृषि कन्हैया लाल स्वामी ने बताया कि 'एक व्यक्ति एक पेड़' या 'एक परिवार एक पेड़' अभियान के तहत कृषि विभाग द्वारा समस्त जिलों मे स्थित कृषि विभाग के कार्यालय परिसरों एवं अन्य उपयुक्त स्थानों पर पौधे लगाये जायेंगे। इस अभियान को पूरे राज्य में आमजन की भागीदारी से सफल बनाने हेतु कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है।उन्होंने बताया कि अभियान के लिए फलदार एवं छायादार वृक्षों का चयन किया गया है।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just
Rs.35,000/- + GST

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner | Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads
DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE
INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

अन्तरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस समारोह का आयोजन

सहकारी संस्थाओं के विकास के लिये संरक्षण, संवर्धन और नियंत्रण में संतुलन की है आवश्यकता-रजिस्ट्रार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। रजिस्ट्रार सहकारिता अर्चना सिंह ने कहा कि प्रदेश में सहकारी संस्थाओं के पल्लवन के लिये आवश्यक है कि वे अधिकाधिक नवीन तकनीक को अपनायें ताकि उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता का समावेश हो और सदस्यों का सहकारिता में विश्वास कायम रहे। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं के विकास और प्रसार के लिये उनके संरक्षण, संवर्धन और नियंत्रण में संतुलन रखकर कार्य करने की आवश्यकता है।

सिंह ने झालाना संस्थानिक क्षेत्र स्थित राइसेम परिसर में 102वें अन्तरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर आयोजित सेमीनार को संबोधित करते हुये कहा कि आज से लगभग 120 वर्ष पूर्व प्रदेश में कृषि क्षेत्र में वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिये सहकारिता का संस्थागत स्वरूप सामने आया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में समाज और व्यक्ति की आवश्यकता और पसंद में परिवर्तन आया है। इसलिये अब सहकारी संस्थाओं को स्थानीय आवश्यकताओं और पसंद को ध्यान में रखते हुये अपने कार्यक्षेत्र में बदलाव लाने की आवश्यकता है।

रजिस्ट्रार ने कहा कि सहकारी संस्थाओं को अपनी सेवा प्रदायगी को बेहतर करते हुये नये नये क्षेत्रों में कार्य करना चाहिये, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के साथ-साथ लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता में समर्पण और ईमानदारी के साथ कार्य करें और सभी को साथ लेकर चलेंगे तो किसी भी समस्या का समाधान स्थानीय स्तर पर प्राप्त कर सकते हैं। जयपुर डेयरी के अध्यक्ष ओम प्रकाश पूनिया ने कहा कि सहकारिता लोकतंत्र का प्राणतत्व है। जिस लोकतंत्र में सहकारिता नहीं है वह मृतप्राय है।

सम्पादकीय

क्या चाहता है चीन

जाकिस्तान के अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की बैठक के दौरान चीन और भारत के विदेश मंत्रियों के बीच हुई द्विपक्षीय बातचीत को एक पॉजिटिव संकेत तो माना जा सकता है, लेकिन दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की ठोस उम्मीद के लिहाज से देखा जाए तो उसके लिए अभी और बहुत कुछ करने की जरूरत है। पहली बात तो यह कि दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात इस बीच जरूर हुई है, लेकिन उनकी बैठक एक साल बाद हो रही थी। बैठक की सार्थकता इस बात में भी है कि पहली बार दोनों पक्षों ने महसूस किया, LAC पर गतिरोध का लंबा खिंचना किसी के हक में नहीं है और यह कि 'सीमा पर शांति हमेशा बनानी पड़ती है।' इस लिहाज से दोनों पक्षों में इस बात पर भी सहमति बनी कि कूटनीतिक और सैन्य अधिकारियों की मीटिंग जारी रखी जाए। देखा जाए तो मई-जून 2020 में सीमा पर कई इलाकों में चीनी सेना के आगे बढ़ आने और गलवान घाटी में भिड़ंत होने के बाद तनावों के बीच भी दोनों पक्षों में बातचीत जारी रही। LAC पर बने गतिरोध को खत्म करने के लिए वर्किंग मेकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन (WMCC) की दो दर्जन से ज्यादा बैठकें हो चुकी हैं। कोर कमांडर लेवल पर भी 21 दौर की बातचीत हो चुकी है। कुछ मसले सुलझे भी हैं। लेकिन डेपसांग और डेमचक जैसे पॉइंट पर मतभेद बने हुए हैं, जिसकी वजह से सीमा पर दोनों ओर बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती बरकरार है। सवाल है कि क्या चीनी पक्ष इस बात को लेकर सचमुच गंभीर है कि बातचीत का कोई हल भी निकले। संदेह की वजह यह भी है कि उसकी तरफ से पिछले कुछ समय से लगातार इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि सीमा पर जो भी मतभेद हैं उन्हें दरकिनार करते हुए दोनों देशों को आपसी संबंध सामान्य बनाने की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। इस पर भारत अपना रुख साफ कर चुका है और उस पर अडिग है कि जब तक सीमा पर जारी गतिरोध को दूर नहीं कर लिया जाता तब तक दोनों देशों के रिश्ते सामान्य हो ही नहीं सकते। ऐसे में दोनों विदेश मंत्रियों का यह स्वीकार करना कि 'सीमा पर शांति हमेशा बनानी पड़ती है', इस बात का संकेत माना जा सकता है कि अब दोनों पक्षों में होने वाली बातचीत को फलप्रद बनाने का अतिरिक्त प्रयास दोनों सरकारों की ओर से होगा। लेकिन यह संभावना सच होती है या नहीं और चीन अब सचमुच सीमा पर गतिरोध खत्म करना चाहता है या इस बैठक का मकसद अंतरराष्ट्रीय हलकों में कुछ खास संकेत देने तक सीमित था, यह आगे के उसके व्यवहार से ही स्पष्ट होगा।

चीन और भारत के विदेश मंत्रियों की शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की अस्ताना बैठक में LAC पर गतिरोध खत्म करने पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने 'सीमा पर शांति' बनाने पर सहमति जताई है।

नए कानूनों के कुछ प्रावधानों को लेकर विरोध भी है। कहा जा रहा है कि इनमें पुलिस को व्यापक अधिकार मिल गए हैं। BNSS की धारा 173 (3) के तहत जिन अपराधों में सजा तीन साल से ज्यादा और सात साल से कम है, उनमें पुलिस अधिकारी को 14 दिनों की छूट दी गई है FIR दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच करने के लिए।

क्या नए कानूनों से जल्दी निपटेंगे केस

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नए कानूनों का पॉजिटिव पक्ष है निष्पादन की गति को तेज करना। इसके लिए टेक्नॉलजी पर काफी जोर है। डिजिटल साक्ष्य का प्रावधान है और फॉरेंसिक अन्वेषण को अनिवार्य कर दिया गया है। भारतीय न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी खामी यही मानी जाती है कि यहां मामले कई दशक चलते हैं। इसलिए स्थगन को भी दो तक सीमित किया गया है।

अपराध न्याय व्यवस्था में बीती एक जुलाई से व्यापक परिवर्तन आए हैं। औपनिवेशिक काल के तीन महत्वपूर्ण कानून नए देसी कानूनों द्वारा बदले गए हैं। भारतीय दण्ड संहिता (IPC) की जगह भारतीय न्याय संहिता (BNS), अपराध प्रक्रिया संहिता (CrPC) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और इंडियन एविडेंस एक्ट के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) बनाए गए हैं। अब सारी प्राथमिकियां BNS के तहत दर्ज की जाएंगी और नए कानूनों के तहत उनका ट्रायल होगा।

21 नए अपराध : IPC की 511 धाराओं के बरक्स BNS में 358 धाराएं हैं। 21 नए अपराधों को इसमें शामिल किया गया है। 41 अपराधों में कारावास की अवधि, जबकि 82 में जुर्माने की रकम बढ़ाई गई है। इसके अलावा 25 अपराधों में न्यूनतम दण्ड और छह अपराधों में दण्ड की जगह सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि सामुदायिक सेवा कैसी होगी। जहां तक CrPC की बात है तो उसमें 484 धाराएं थीं, जबकि BNSS में 531 धाराएं हैं। इसमें 9 नई धाराएं और 39 उपधाराएं जोड़ी गई हैं। 177 धाराओं में बदलाव किए गए हैं और 14 पुरानी धाराओं को खत्म किया गया है। इंडियन एविडेंस एक्ट की 166 धाराओं की जगह BSA में 170 धाराएं हैं।

महिला मामलों को प्राथमिकता : नई व्यवस्था में प्राथमिकी ऑनलाइन दर्ज कराई जा सकती है। प्राथमिकी की प्रति पीड़ित को मुफ्त मुहैया कराई जाएगी। गिरफ्तारी का विस्तृत विवरण थाने और जिला मुख्यालय में ठीक से प्रदर्शित किया जाएगा। इन कानूनों में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध किए गए अपराधों के अन्वेषण को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि दो महीने के अंदर इसे पूरा किया जा सके। पीड़ितों को 90 दिनों के अंदर मामले में हुई प्रगति जानने का हक होगा।

तेजी से निपटान : नए कानूनों का पॉजिटिव पक्ष है निष्पादन की गति को तेज करना। इसके लिए टेक्नॉलजी पर काफी जोर है। डिजिटल साक्ष्य का प्रावधान है और फॉरेंसिक अन्वेषण को अनिवार्य कर दिया गया है। भारतीय न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी खामी यही मानी जाती है कि यहां मामले कई दशक चलते हैं। इसलिए स्थगन को भी दो तक सीमित किया गया है।

स्थगन कम करने के प्रयास : ध्यान रहे, स्थगन सीमित करने के प्रयास पहले भी हुए हैं। हुसैनारा खातून मामले (1978) में उच्चतम न्यायालय ने व्यवस्था दी कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन और व्यक्तिगत आजादी के मौलिक अधिकार में तेज गति से ट्रायल होना भी शामिल है। बाद में कदरा पहाड़िया बनाम बिहार (1981) में अदालत ने यह भी कहा कि यदि किसी का तेज गति से ट्रायल नहीं होता है तो उसे अपने अधिकार को लागू कराने के लिए शीर्ष अदालत आने का अधिकार होगा। इसे अन्य कई मामलों में अदालत ने दोहराया परंतु महाराष्ट्र बनाम चम्पालाल पुंजाजी शाह (1981) में इस व्यवस्था को कमजोर कर दिया। उसने निर्णय दिया कि यद्यपि तेजी से ट्रायल अनुच्छेद 21 के द्वारा दिए गए फेयर ट्रायल का एक परोक्ष पहलू है, लेकिन इसका उल्टा सही नहीं है कि देर से होने वाला ट्रायल अन्यायपूर्ण है।

संशोधन निरस्त हुए: संसद ने 1999 में सीपीसी में कई अहम संशोधन किए। इनमें एक यह था कि अदालत सुनवाई के दौरान तीन से अधिक स्थगन नहीं दे सकती है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने सेलम बार असोसिएशन (2005) में इन संशोधनों को एक तरह से निरस्त कर दिया। उसने निर्णय दिया कि समय-सीमा अदालत की अंदरूनी शक्तियों को कम नहीं कर सकती है, जो न्याय करने के लिए जरूरी है। ऐसे में देखना होगा कि दो संशोधन की सीमा बांधने वाले मौजूदा प्रावधानों पर अदालत का रुख कैसा होता है।

FIR से पहले जांच: नए कानूनों के कुछ प्रावधानों को लेकर विरोध भी है। कहा जा रहा है कि इनमें पुलिस को व्यापक अधिकार मिल गए हैं। BNSS की धारा 173 (3) के तहत जिन अपराधों में सजा तीन साल से ज्यादा और सात साल से कम है, उनमें पुलिस अधिकारी को 14 दिनों की छूट दी गई है FIR दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच करने के लिए। यह शीर्ष अदालत द्वारा ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश (2013) में दी गई व्यवस्था के विपरीत है कि शिकायत मिलने पर FIR दर्ज करना अनिवार्य होगा। बाद के भी अनेक फैसलों में न्यायालय ने इसे दोहराया।

पुलिस को ज्यादा ताकत : BNS की धारा 113 में आतंकवादी गतिविधियों को भी शामिल किया गया है, जिसके लिए अवैध गतिविधियां निरोधक कानून (APA) पहले से है। इससे पुलिस को बहुत ताकत मिल जाएगी। भारत में पुलिस सुधार की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। ध्यान रहे, कानून में बदलाव होने पर अदालत के हाथ भी बंध जाते हैं। मसलन, जब तक गांजा आबकारी अधिनियम के अंतर्गत आता था, न्यायालय आधा किलो गांजा बरामद होने पर भी जमानत दे देती थी। लेकिन बाद में उसे एनडीपीएस एक्ट के अंदर कर दिया गया। परिणाम यह हुआ कि 20 ग्राम गांजा बरामद होने पर भी अदालत जमानत नहीं देती है।

प्रशिक्षण और सुधार : अभी कई वर्षों तक पुलिस और अदालत को पुराने और नए, दोनों कानूनों के तहत काम करना होगा। इसलिए व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण की आवश्यकता है। साथ ही पुलिस सुधार पर भी काम करने की जरूरत है।

(लेखक वरिष्ठ टीवी पत्रकार और कानूनी मामलों के जानकार हैं)

नए आपराधिक कानून, व्यवहार में होगी परख

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

तमाम उम्मीदों और आशंकाओं के बीच देश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हो चुकी हैं। ये तीनों कानून मौजूदा भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य कानून की जगह लेने वाले हैं। लेकिन इसमें दशकों लग सकते हैं। जाहिर है, तब तक देश में नए और पुराने दोनों कानून साथ-साथ चलेंगे। इसकी अपनी चुनौतियां होंगी।

शैलेन्द्र शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

विपक्षी दलों से जुड़े नेता ही नहीं, कई एक्सपर्ट्स भी इन कानूनों के लागू किए जाने को लेकर कुछ सवाल और संदेह जताते रहे हैं। लेकिन सरकार इन्हें लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आती है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जहां विपक्षी दलों के सुझाव सुनने की तैयारी दिखाई है, वहीं यह भरोसा भी जताया है कि नए कानूनों से मुकदमे निपटाने की प्रक्रिया में तेजी आएगी। यही नहीं, उनके मुताबिक इन कानूनों से दोष साबित होने की दर 90% तक बढ़ाई जा सकेगी।

ये दोनों ही लक्ष्य अच्छे कहे जाएंगे बशर्ते इस क्रम में इंसाफ की संभावना को कोई नुकसान न हो। विलंब से न्याय को अन्याय के बराबर माना गया है, लेकिन जल्दी आया फैसला भी अच्छा नहीं कहा जाएगा अगर वह सभी पक्षों को आश्वस्त नहीं कर सके कि इंसाफ हुआ है। उम्मीद की जानी चाहिए कि नए कानूनों के तहत बनने वाली व्यवस्था भी 'इंसाफ न सिर्फ होना चाहिए बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए' की कसौटी पर सौ फीसदी खरी उतरेगी।

इस बात से किसी को इनकार नहीं हो सकता कि पुराने पड़ चुके कानून हटाए जाने चाहिए। लेकिन अंग्रेजों के जमाने के औपनिवेशिक कानूनों में पूरे रद्दोबदल के तर्क से लाए गए इन नए कानूनों में भी यह शिकायत दूर नहीं हुई। चाहे मानहानि हो या राजद्रोह इनसे जुड़े प्रावधान अभी भी किसी न किसी रूप में कानून में शामिल हैं। मैरिटल रेप को अपराध के दायरे में लाने की जरूरत भी पूरी नहीं हुई है।

इनवेस्टिगेशन में तकनीक की भूमिका बढ़ाने का विचार अच्छा है। लेकिन जांच प्रक्रिया का मसला काम के बोझ से जुड़ा है। फॉरेंसिक टीम वैसे भी कई मामलों की जांच से जुड़ी काम के बोझ से दबी रहती है। जाहिर है, इसकी कार्यक्षमता बढ़ाने में पर्याप्त ऊर्जा लगाने की जरूरत होगी। उसके बगैर 'ड्यू प्रॉसेस' में सुधार कागजों से आगे बढ़ना मुश्किल होगा।

बहरहाल, तीनों नए आपराधिक कानूनों का लागू होना एक बड़ा कदम है। इसे लेकर अभी से संदेह और निराशा का माहौल बनाने की जरूरत नहीं है। मगर याद रखना होगा कि व्यवहार में इन बदलावों के लिए भी सबसे बड़ी कसौटी यही होगी कि संविधान द्वारा प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता नागरिक अधिकार सुनिश्चित करने के लिहाज से ये कितने प्रो-एक्टिव साबित होते।

(ये लेखक के अपने विचार है)

जलवायु सुधार में बांस कारगर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जलवायु परिवर्तन सबसे गंभीर वैश्विक मुद्दों में से एक है, जो दुनिया भर के पारिस्थितिकी तंत्र, अर्थव्यवस्थाओं और समुदायों को प्रभावित कर रहा है। जैसे-जैसे विभिन्न देश कार्बन उत्सर्जन को कम करने और कार्बन पृथक्करण बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, बांस एक आशाजनक समाधान के रूप में उभर रहा है। अपनी तीव्र वृद्धि, उच्च बायोमास उत्पादन और कार्बन पृथक्करण क्षमताओं के कारण बांस जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटने का अवसर दे सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि बांस पारंपरिक पेड़ों की तुलना में अधिक कार्बन डाइऑक्साइड सोख सकते हैं। यह कार्बन पौधे के तने, पत्तियों और जड़ों सहित बायोमास में जमा होता है। इसके अतिरिक्त, बांस की व्यापक जड़ प्रणाली मिट्टी को स्थिर करने और कटाव को रोकने में मदद करती है, जिससे कार्बन के प्राकृतिक भंडारण में भी मदद मिलती है। बांस का उच्च बायोमास उत्पादन जलवायु परिवर्तन के शमन का महत्वपूर्ण कारक है। यह बड़ी मात्रा में कार्बनिक पदार्थ का उत्पादन करता है, जिसका उपयोग बायोएनर्जी सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। बांस के बायोमास को बायोचार में परिवर्तित किया जा सकता है, जो चारकोल का एक रूप है, और सैकड़ों वर्षों तक कार्बन को वायुमंडल से अलग कर सकता है। बांस लकड़ी का एक स्थायी विकल्प प्रदान करता है। इसकी कटाई के बाद इसे दोबारा लगाने की जरूरत नहीं होती। क्योंकि, अपनी जड़ से यह दोबारा उगता है। बांस पारंपरिक वनों पर दबाव भी कम करता है और इस तरह वन और जल संरक्षण में योगदान देता है। दुनिया भर में बांस के जंगल लगभग 3.15 करोड़ हैक्टयर में फैले हुए हैं। चीन, भारत और म्यांमार प्रमुख बांस उत्पादक देश हैं। कई वैश्विक पहलें जलवायु परिवर्तन के शमन में बांस की भूमिका पर जोर देती हैं। इथियोपिया और घाना जैसे देश अपने पुनर्वनीकरण और भूमि बहाली प्रयासों के तहत बांस की खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। कोलंबिया और इक्वाडोर जैसे देश सतत विकास और जलवायु लचीलेपन के लिए बांस को अपनी राष्ट्रीय रणनीतियों में शामिल कर रहे हैं। चीन ने भी जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए बांस की खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया है। भारत दुनिया के सबसे बड़े बांस उत्पादकों में से एक है, जहां लगभग 1.4 करोड़ हैक्टयर बांस के जंगल हैं। असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में देश के बांस संसाधनों का 50 फीसदी से अधिक हिस्सा है। केंद्र सरकार के बांस मिशन का उद्देश्य बांस की खेती और इसके टिकाऊ उपयोग को बढ़ावा देना है। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि भारत में बांस के जंगल प्रति वर्ष लगभग 12 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड सोख सकते हैं। यह आंकड़ा भारत के जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों में बांस के संभावित योगदान को दर्शाता है। राष्ट्रीय बांस मिशन (एनबीएम) ग्रामीण समुदायों की आजीविका बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए गैर-वन क्षेत्रों में बांस की खेती को बढ़ावा देता है। विभिन्न राज्य सरकारों ने बांस की खेती और उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम शुरू किए हैं। बांस जलवायु परिवर्तन के शमन के लिए आशाजनक समाधान प्रस्तुत करता है।

रोहित पाराशर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

यही सोचकर उन्होंने साकार पूजन की व्यवस्था की। प्रकृति सबकी अलग-अलग होती है, फिर अधिकार भेद भी है। निराकार का नाम है ब्रह्म और साकार का शक्ति। पूर्ण ज्ञान के बाद दोनों अभेद हैं, जैसे दूध और उसकी धवलता। ब्रह्म वाणी में नहीं आते। वहां मैं और तुम नहीं है। जब तक मैं और तुम भाव है, तब मैं ईश्वर की प्रार्थना कर रहा हूं यह भी ज्ञान है। तुम स्वामी हो मैं दास हूं। तुम पूर्ण हो, मैं अंश हूं, यह भेद बोध है, तब तक ईश्वर साकार रूप यानि शक्ति रूप में ही मिलते हैं। जब तक भेद बुद्धि है सगुण ब्रह्म ही मानना होगा। इसी सगुण ब्रह्म को वेद पुराण तंत्र शास्त्रों में आदि शक्ति कहा है। जब तक ब्रह्म को देखने का और कोई उपाय नहीं रहता तब तक भक्त के 'मैं' रूपी दर्पण में प्रतिबिम्ब रूप सगुण ब्रह्म ईश्वर के साकार रूप के दर्शन होंगे। परंतु मन स्वच्छ रखना होगा। सगुण ब्रह्म से प्रार्थना करते-करते वे ही ब्रह्म ज्ञान भी देंगे। वे अन्तर्यामी हैं। निराकार की उपासना बड़ी कठिन है। मैं भाव के रहते संसार को स्वप्नवत मिथ्या मानना कठिन है।

श्रीमद् भागवत ग्रंथ का सार: ईश्वर संबंधी ज्ञान के लिए श्रीमद्भागवत के द्वितीय स्कन्ध अध्याय नौ के श्लोक 32 से 34 तक को संपूर्ण ग्रंथ का सार बताया गया है जो इस प्रकार है- श्री भगवान कहते हैं- **क्रमशः**

ओपिनियन

जलसंकट: भारत में 3 गुणा बढ़ जाएगी भूजल में गिरावट दर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

दुनिया भर में बढ़ता तापमान अपने साथ अनगिनत समस्याएं भी साथ ला रहा है, जिनकी जद से भारत भी बाहर नहीं है। ऐसी ही एक समस्या देश में गहराता जल संकट है जो जलवायु में आते बदलावों के साथ और गंभीर रूप ले रहा है। इस बारे में अंतर्राष्ट्रीय शोधकर्ताओं द्वारा किए नए अध्ययन से पता चला है कि बढ़ते तापमान और गर्म जलवायु के चलते भारत आने वाले दशकों में भूजल का ज्यादा तेजी से दोहन कर सकता है। अनुमान है कि इसके चलते 2040 से 2080 के बीच भूजल में आती गिरावट की दर 3 गुणा बढ़ सकती है। रिसर्च नतीजे हाल ही एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल साइंस एडवांसेज में प्रकाशित हुए हैं।

राम शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

गौरतलब है कि भारत दुनिया के अन्य देशों की तुलना में पहले ही कहीं ज्यादा तेजी से अपने भूजल का दोहन कर रहा है। आंकड़ों से पता चला है कि भारत में हर साल 230 क्यूबिक किलोमीटर भूजल का उपयोग किया जा रहा है, जोकि भूजल के वैश्विक उपयोग का लगभग एक चौथाई हिस्सा है। देश में इसकी सबसे ज्यादा खपत कृषि के लिए की जा रही है। देश में गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों की सिंचाई के लिए भारत बड़े पैमाने पर भूजल पर निर्भर है। लेकिन जैसे-जैसे तापमान में वृद्धि हो रही है, खेत तेजी से सूख रहे हैं। इसके साथ ही मिट्टी में नमी को सोखने की क्षमता भी घट रही है, जिसकी वजह से भारत में भूजल स्रोतों को रिचार्ज होने के लिए पर्याप्त जल नहीं मिल रहा है। नतीजन साल दर साल देश में भूजल का स्तर तेजी से नीचे गिरता जा रहा है। अनुमान है कि बढ़ते तापमान के साथ जल उपलब्धता में आने वाली इस गिरावट के चलते एक तिहाई लोगों की जीविका पर खतरा मंडराने लगेगा। इसके न केवल भारत में बल्कि वैश्विक परिणाम भी सामने आएंगें। साथ ही इससे देश में खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा हो जाएगा।

इस बारे में अध्ययन से जुड़ी वरिष्ठ लेखक और यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन के स्कूल फॉर एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी में सहायक प्रोफेसर मेहा जैन का कहना है कि, "भारत में किसान बढ़ते तापमान से निपटने के लिए अधिक सिंचाई का उपयोग कर रहे हैं। यह एक ऐसी रणनीति जिस पर भूजल में आती गिरावट के पिछले अनुमानों के बारे में विचार नहीं किया गया है।" उनके मुताबिक यह चिंताजनक है क्योंकि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा भूजल का उपयोग करने वाला देश है जो क्षेत्रीय और वैश्विक खाद्य उत्पादन दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बता दें कि अपने इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने भारत में भूजल को होने वाले नुकसान की दरों का अनुमान लगाने के लिए 10 जलवायु मॉडलों से प्राप्त बारिश और तापमान के अनुमानों का उपयोग किया है। अध्ययन में इस बात पर गौर किया गया है कि देश में बढ़ते तापमान के चलते फसलों पर पड़ने वाले दबाव से निपटने के लिए पानी की मांग बढ़ सकती है। इसकी वजह से किसानों को फसलों की सिंचाई में वृद्धि कर सकती है। रिसर्च के अनुसार बढ़ते तापमान और सर्दियों में बारिश में आती गिरावट के चलते भूजल में गिरावट आ रही है, जिसकी भरपाई मानसून में होने वाली अतिरिक्त बारिश भी नहीं कर पा रही।

इस बारे में अध्ययन और ओक्लाहोमा विश्वविद्यालय से जुड़े निशान भट्टराई का कहना है कि, यदि तापमान में होती वृद्धि इसी तरह जारी रहती है तो बढ़ते तापमान से भूजल में आती गिरावट की दर तीन गुणा बदतर हो सकती है, जो दक्षिण और मध्य भारत के क्षेत्रों को भी प्रभावित करेगी। उनके मुताबिक जब तक हम भूजल को बचाने के उपाय नहीं करते, तब तक बढ़ते तापमान से भारत में भूजल से जुड़ी मौजूदा समस्याएं और बदतर हो जाएंगी। इससे देश में बदलती जलवायु के साथ खाद्य और जल सुरक्षा के लिए अतिरिक्त चुनौतियां पैदा हो जाएंगी।

अपने इस हालिया अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने कई स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों को एकत्र किया है और उनका एक डेटासेट तैयार किया है। इसमें देश के हजारों कुओं में भूजल के स्तर, फसलों पर बढ़ता जल तनाव और उपग्रह से प्राप्त आंकड़ों के साथ मौसम संबंधी रिकॉर्ड को भी शामिल किया गया है। पिछले अध्ययनों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि जलवायु में आते बदलावों के चलते 2050 तक देश की प्रमुख फसलों की उपज में 20 फीसदी तक की कमी आ सकती है। इसके साथ ही, देश में भूजल का स्तर चिंताजनक दर से कम हो रहा है, जिसका मुख्य कारण सिंचाई के लिए भूजल का बढ़ता दोहन है।

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

गीतिका डॉटर भगवती-जयराज महावर, जयपुर

हमे भेजें
आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।
jagrukjantanews@gmail.com
सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 10/07/2024

सूर्योदय : 05:44 **सूर्यास्त** : 19:19 **चन्द्रोदय** : 09:28 **चन्द्रास्त** : 22:30 **शक सम्वत** : 946 क्रोधी **अमान्ता महीना** : आषाढ़ा **पूर्णिमांत** : आषाढ़ा **सूर्य राशि** : मिथुन **चन्द्र राशि** : सिंह **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : चतुर्थी, 07:53 तक **वार** : बुधवार **चन्द्रमास आषाढ़** : पूर्णिमान्त **आषाढ़** : अमान्त **विक्रम सम्वत** : 2081 पिङ्गल **गुजराती सम्वत** : 2080 राक्षस

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : मघा, 10:12 तक
योग : व्यतिपाता, 27:03 तक
प्रथम करण : विष्टि, 07:53 तक
द्वितिय करण : बावा, 20:57 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:10 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:30 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:45 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:21 पी एम से
द्वसायाह्न सन्ध्या	07:22 पी एम से
अमृत काल	07:37 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12:6 एएम, जुलाई 11 से
रवि योग	05:31 ए एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : बुध
चन्द्रवास : पूर्व

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया

लाभ	: 05:43 - 07:25
अमृत	: 07:25 - 09:07
काल काल वेला	: 09:07 - 10:49
शुभ	: 10:49 - 12:31
रोग वार वेला	: 12:31 - 14:13
उद्वेग	: 14:13 - 15:55
चर	: 15:55 - 17:37
लाभ	: 17:37 - 19:19

रात का चौघड़िया

उद्वेग : 19:19 - 20:37
शुभ : 20:37 - 21:55
अमृत : 21:55 - 23:13
चर : 23:13 - 00:31
रोग : 00:31 - 01:49
काल : 01:49 - 03:07
लाभ : 03:07 - 04:25
उद्वेग : 04:25 - 05:44

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्थी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आषाढ़, शुक्ल, चतुर्थी, 2081 बुधवार, 10 जुलाई - 16 जुलाई, 2024

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मुख्यमंत्री ने किया राजपुरोहित छात्रावास का उद्घाटन

अच्छी शिक्षा से युवा बनें आत्मनिर्भर और बेहतर जीवन का मार्ग करें प्रशस्त-शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति और समाज के विकास का मुख्य आधार है। शिक्षा से ज्ञान प्राप्त कर कौशल का विकास होता है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमें आत्मनिर्भर बनाती है और बेहतर जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करती है। युवा वर्ग भारत का भविष्य है, अच्छी शिक्षा हासिल कर वह राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभाएं।

शर्मा ने जयपुर में संतजनों की उपस्थिति में राजपुरोहित ग्लोबल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (राजपुरोहित छात्रावास) का फीता काटकर उद्घाटन किया एवं छात्रावास परिसर का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राजपुरोहित समाज शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस छात्रावास का निर्माण शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण और सामाजिक सरोकार की सच्ची मिसाल है। यह छात्रावास युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रावास में विभिन्न क्षेत्रों के विद्यार्थी साथ रहते हैं, जिससे बेहतर संवाद स्थापित होता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।

युवाओं के सपने तोड़ने वालों को छोड़ेंगे नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने हमारी युवा शक्ति को निराशा की गर्त में धकेल दिया था। पेपर लीक की घटनाओं से कड़ी मेहनत करने वाले ईमानदार विद्यार्थियों का मनोबल टूट गया था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनते ही पेपर लीक के मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक व अन्य अनियमितताओं के संबंध में एसआईटी ने ठोस कार्रवाई करते हुए 108 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सपनों को तोड़ने वालों को छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि युवा हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की प्राथमिकता में शामिल हैं। उन्होंने युवा शक्ति को राष्ट्रशक्ति के रूप में पहचान कर उनके लिए अनेक कदम उठाए हैं।

विशेष शिक्षकों के मानदेय वृद्धि मामले को दिखाने का शिक्षा मंत्री ने दिया भरोसा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय मजदूर संघ भामस के सर्व शिक्षा अभियान विशेष शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जुगलकिशोर अवस्थी के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को पिपलाई तहसील बामनवास जिला गंगापुर सिटी में स्वागत किया और संघटन की समस्याओ से अवगत कराया गया। अवस्थी ने बताया कि 2005 से दिव्यांग बच्चों की शिक्षा की नींव रखने वाले विशेष शिक्षकों को आज 19 वर्ष हो गया, लेकिन एक पैसा मानदेय का नहीं बढ़ा जबकि स्कूल शिक्षा परिषद के अधिकारियों द्वारा हर वर्ष मानदेय वृद्धि के आदेश जारी किया जाता है जबकि मिला एक पैसा नहीं जबकि एक ही विभाग के अन्य कार्मिकों का हर वर्ष मानदेय वृद्धि की जा रहीं हैं। इसी तरह से ग्रीष्मकालीन अवकाश पर भी मानदेय नहीं दिया जा रहा है यही नहीं एक ही विभाग में समान योग्यता समान पदों पर मानदेय भी दो तरह से दिया जा रहा है शिक्षा मंत्री ने जयपुर जाकर मामले को दिखाने का भरोसा दिया। इस अवसर पर सुनील बैरवा जिला अध्यक्ष गंगानगर महेश मीणा बामनवास नरेश मीणा जिला अध्यक्ष करोली पवन शर्मा मोजूद रहे।

देखें पेज 7
शिक्षा राष्ट्र निर्माण भी करती है-मिश्र

थांग ता संघ की कार्यकारिणी गठित

» जागरूक जनता @जयपुर। राजस्थान थांग ता संघ की बीते दिनों कार्यकारिणी गठित की गई। कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद हेतु डॉ सुरेंद्र सिंह शेखावत सचिव कोमल कंवर व कोषाध्यक्ष राकेश सैनी मनोनीत किए गए। भारतीय थांग ता महासंघ के सचिव विनोद शर्मा ने सभी को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। संघ के अध्यक्ष डॉ सुरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि यह मुख्यत मणिपुर क्षेत्र का खेल है जो की प्राचीन काल से खेला जा रहा है राजाओं द्वारा अपने सिपाहियों को अनिवार्य रूप से यह कला सिखाई जाती थी। संघ के सचिव कोमल शेखावत ने बताया कि राजस्थान में अगले महीने झुंझुनू में थांग ता कैंप का आयोजन किया जाएगा। जल्द ही राजस्थान में थांग ता राज्य प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएगी।

गुलाबी नगरी में 'आनंदमय जीवन सीनियर सिटीजन क्लब का शुभारम्भ

समाज और परिवार में बुजुर्गो के सम्मान का अनूठा प्लेटफार्म

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विश्व जागृति मिशन के संस्थापक और देश के जाने माने आध्यात्मिक संत आचार्य श्री सुधांशुजी महाराज ने कहा है कि जीवन में आनंद और शांति के लिए हमें धर्म, संस्कृति, संस्कार और परम्पराओं से जुड़े रहना जरूरी है। घर–परिवार में माता–पिता और बुजुर्गो के आदर और समाज में वरिष्ठजनों के सम्मान की परम्परा से ही हम अपने मूल स्त्रोत से जुड़े रहकर परमात्मा से जुड़े रह सकते है। इसी उद्देश्य से विश्व जागृति मिशन के तहत परिवार जोड़ो प्रकल्प चलाया जा रहा है। विजामि प्रमुख आचार्य सुधांशु जी महाराज ने यह बात जयपुर मंडल के तहत परिवार जोड़ो अभियान के तहत 'आनंदमय जीवन सीनियर सिटीजन क्लब' के शुभारम्भ के अवसर पर प्रसारित विशेष वीडियो संदेश में कही। उन्होंने कहा कि 'आनंदमय जीवन सीनियर सिटीजन क्लब' बुजुर्गो की मानसिक समस्याओं के निराकरण और उनके एकाकीपन को दूर करने के साथ ही उनको हर दिन चुस्त–दुरूस्त रखते हुए परिवार में आनंद के साथ बेहतर जीवन जीने का माहौल देने का प्लेटफार्म है।

गुलाबी नगरी में आदर्श नगर में बीस दुकान स्थित सोमश्वर महादेव मंदिर परिसर में नई दिल्ली में विश्व जागृति मिशन के आनंदधाम आश्रम से 'परिवार जोड़ो अभियान' की केन्द्रीय टीम के सदस्यों राजेश गम्भीर, जेएल रस्तोगी और आनंद मित्तल की उपस्थिति में 'आनंदमय जीवन सीनियर सिटीजन क्लब' का विधिवत शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर जयपुर मंडल के प्रधान मदनलाल अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण दास गंगवानी, महासचिव दिनेश चंद गुप्ता, हेम कुमार भार्गव, आशीष माथुर, दिलीप हिरारमानी और गोपाल बजाज, कांता भल्ला एवं संतोष सिहाग सहित जयपुर मंडल से जुड़े श्रद्धालु, वरिष्ठ नागरिकगण, बच्चे और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान आचार्य मनोज शास्त्री और विष्णु शास्त्री के सानिध्य में हवन, गुरू वंदना और पूजन का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बुजुर्ग महिला और पुरूषों का सम्मान भी किया गया, वहीं इस दौरान बुजुर्ग और वरिष्ठ नागरिकों ने देशभक्ति के गीतों और भजनों के धुन पर आनंद से सरोबार होकर ठुमके भी लगाए।

विश्व जूनोसिस दिवस-2024 पर सेमिनार का आयोजन

पशुओं से मनुष्य में फैलने वाले रोगों के बारे में बढ़ाए जागरूकता-भट्ट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अपोलो एनीमल मेडिकल ग्रुप ट्रस्ट द्वारा संचालित अपोलो कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन जयपुर द्वारा 'विश्व जूनोसिस दिवस-2024' के उपलक्ष्य में सेमिनार आयोजित किया गया।

सेमिनार उद्घाटन के अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डॉ.सी.एस.शर्मा ने कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ.भारती मल्होत्रा, अतिरिक्त प्राचार्य एवं वरिष्ठ आचार्य, माइ॰ोबाईलॉजी विभाग, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर व डॉ.लेनिन भट्ट, वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी, राज्य रोग निदान केंद्र, पशुपालन विभाग, जयपुर का स्वागत करते हुए बताया कि विश्व जूनोसिस दिवस पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले रोगों के बारे में जागरूकता बढाने ओर इन रोगों के बारे में जागरूकता बढाने ओर इन रोगों के बारे में अध्ययन ओर अनुसंधान को बढावा देने के लिए मनाया जाता है, जो कि जूनोटिक रोग के विरूद्ध प्रथम टीकाकरण की वर्षगांठ का प्रतीक है। प्रथम विश्व जूनोसिस दिवस 06 जुलाई 1885 को मनाया गया था जो कि फेंच केमिस्ट एवं माईक्रोबायोलॉजिस्ट लुई पाश्चर द्वारा जूनोटिक रोग के खिलाफ टीके के सफल प्रयोग की वर्षगांठ का प्रतीक था। कार्य॰ म की मुख्य अतिथि डॉ.भारती मल्होत्रा ने मनुष्यों में होने वाले जूनोटिक रोगों के प्रकोप व रोकथाम के बारे में वन हेल्थ कार्यक्रम के संदर्भ में व्याख्यान दिया। इस अवसर पर डॉ.लेनिन भट्ट ने पशुओं में होने वाले जूनोटिक रोगों के प्रकोप, निदान व इस संदर्भ में पषुपालन विभाग, राजस्थान द्वारा किये जा रहे कार्यों व संसाधनों पर जानकारी दी। महाविद्यालय की डॉ.अल्का गालव, सह-आचार्य, माईक्रोबाईलॉजी विभाग, एसीवीएम, जयपुर ने जूनोटिक रोगों के संवाहक एवं रोकथाम गतिविधियों पर प्रकाष डाला।

डॉ.जी.के.सिन्हा, कार्यकारी न्यासी के तकनीकी सलाहकार, एसीवीएम, जयपुर ने जूनोसिस रोगों की प्रकोप की भयावहता की रोकथाम के व्यावहारिक प्रावधानों के संबंध में जानकारी दी। अंत में कार्य॰ म आयोजन की समिति के अध्यक्ष डॉ.नवीन मिश्रा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

वन महोत्सव : प्रकति मित्र के साइकिल रैली के नन्हे नायक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुरलीपुरा स्थित एन. के. पब्लिक स्कूल में पर्यावरण के प्रति सजगता दिखाते हुए वनोत्सव सप्ताह मनाया जा रहा है, इसके अन्तर्गत विद्यालय में छात्रों के द्वारा बीजांकुरण किया गया तथा वृक्षों का महत्त्व समझते हुए विद्यालय परिसर में स्थित वृक्षों का आंलिगन कर उनसे आत्मीयता महसूस की, वनोत्सव कार्यक्रम की कड़ी में विद्यालय के कक्षा 6 से 8वीं तक के विद्यार्थियों के द्वारा ''से ना टू प्लास्टिक बैग'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर छात्रों के द्वारा कागज व कपड़े के बैग बनाकर प्लास्टिक को अलविदा कहा।

वनोत्सव पर्व की कड़ी में विद्यालय के नन्हें बालकों द्वारा साइकिल रैली निकालकर पर्यावरण सजगता की ओर ध्यानाकर्षण किया। रैली का शुभारम्भ विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. एन. सी. लुणायच ने किया।

इस अवसर पर विद्यालय के निदेषक कुलदीप सिंह ने वृक्षों का महत्त्व बताते हुए अमृता देवी व उनकी बेटियों के द्वारा पेड़ों को बचाने हेतु दिये गये बलिदान का उल्लेख किया, और बताया कि अमृता देवी ने पेड़ो का महत्त्व बताते हुए कहा था 'सिर सांते रूख रहे तो भी सस्तों जान' निदेशक ने सभी छात्रों एवं उपस्थित गणों से एक-एक वृक्ष लगाने का आहवान किया और कहा जितने अधिक वृक्ष होगें उतना ही पर्यावरण स्वच्छ रहेगा। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या चित्रा राजे बसेरा ने सभी आगन्तुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

ANCHOR | उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल

रेलवे बोर्ड के यूटीएस मोबाइल ऐप से बनाएं जनरल टिकट

जनवरी 2024 से जून 2024 माह में 26 लाख 86 हजार से अधिक यात्रियों ने बुक किए ऑनलाइन यूटीएस ऐप से अनारक्षित टिकट

यूटीएस ऐप द्वारा बुक टिकट से रेलवे को हुई 5 करोड़ 26 लाख से अधिक आय

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल में ऑनलाइन अनारक्षित टिकट की यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप की लोकप्रियता बढ़ रही है। जनवरी 2024 से जून 2024 छः माह में 26 लाख 86 हजार से अधिक यात्रियों ने यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप से अनारक्षित टिकट बुक किए।

कृष्ण कुमार मीणा-वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक-जयपुर नें बताया कि मंडल रेल प्रबंधक जयपुर श्री विकास पुरवार के दिशा निर्देशन में मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा यात्रियों को यूटीएस ऐप के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। जिससे यात्रियों को यूटीएस ऐप द्वारा टिकट बनाने में आसानी रहे। साथ ही यूटीएस ऐप द्वारा टिकट बनाने की प्रक्रिया को और आसान बनाने के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा टिकट बनाने के नियमों में बदलाव किया है। अब आपके द्वारा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर भी खडे रहकर जनरल टिकट या प्लेटफॉर्म टिकट बना सकते हैं। पहले आपको रेलवे लाईन से कम से कम 20 मीटर की दूरी बनाके ही टिकट बना सकते थे। जयपुर मंडल के सभी स्टेशनों पर ऑनलाइन अनारक्षित रेल टिकट बुकिंग के लिए यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप (UTS On Mobile App) की सुविधा उपलब्ध है। रेल टिकट लेने का यह साधन रेल यात्रियों के बीच लोकप्रिय होने लगा है। काफ़ी यात्री इस मोबाइल ऐप का उपयोग कर रहे हैं,जिससे ऐप से अनारक्षित रेल टिकट बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। जयपुर मंडल पर 1 जनवरी 2024 से 30 जून 2024 तक 26 लाख 86 हजार से अधिक यात्रियों ने यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप से अनारक्षित टिकट बुक किए हैं। जिससे रेलवे नें 5 करोड़ 26 लाख 84 हजार रुपए की आय अर्जित की है।

मोबाइल ऐप पर उपलब्ध सुविधाएं

- » अनारक्षित टिकटों की बुकिंग
- » सीजन टिकट जारी एवं नवीनीकरण करें
- » पेपर टिकिट एवं पेपरलेस टिकिट दोनों प्रकार के टिकिट प्राप्त की जा सकते हैं
- » बुक किए टिकिटों का विवरण चेक करें
- » आवश्यकतानुसार प्रोफाइल उपयोग करें

मोबाइल ऐप के लाभ

- » आपका मोबाइल आपका टिकिट है
- » मोबाइल ऑफलाइन मोड में होने पर भी टिकिट दर्शाया जा सकता है
- » त्वरित टिकिट बुक करें
- » लंबी कतार से बचें एवं समय की बचत करें
- » पेपर बचत व किरायें में आकर्षक छूट

मोबाइल ऐप का उपयोग कैसे करें

- » यूटिएस ऐप प्ले स्टोर व अन्य से डाउनलोड करें
- » ऐप पर रजिस्ट्रेशन हेतु साइन अप करें
- » टिकट बुक करने के लिए लॉगिन करें।
- » लॉगिन आई.डी. मोबाइल नंबर पर रजिस्ट्रेशन करें
- » मैसेज से प्राप्त चार अंकों के पासवर्ड का उपयोग करें
- » टिकट बुक के लिए आर-वॉलेट का उपयोग करें
- » आर-वॉलेट को डेबिट कार्ड,नेट बैंकिंग,यूपीआई अथवा यूटिएस काउंटर द्वारा रिचार्ज करें।

जागरूक खबरें

उपेन्द्र कुशवाहा से गोविन्द ठाकुर की मुलाकात

» जागरूक जनता @ जयपुर। बीते दिनों राष्ट्रीय लोक जनशक्ति के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द ठाकुर ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व लोकसभा सांसद एवं केबिनेट मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा से उनके निवास स्थान पर मुलाकात की। इस अवसर पर शॉल ओढ़ा कर उनको सम्मानित किया। साथ ही, ठाकुर ने पार्टी के विस्तार को लेकर चर्चा की और आज के युवाओं को हर स्थान मे पर मौका मिले एवं पूर्वांचल के लोग जो दूसरे राज्य मे रहते है उनकी हर मदद सम्भव करने के लिए चर्चा की। पूर्वांचल के लोगो को दूसरे राज्यों मे सभी गलत नजर से देखते है उनका मान समान बढ़ाने एवं उनको सुनहरा मौका सरकारी सुविधाएं मुहैया करवाने की भी चर्चा की।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत लगाया पौधा

» जागरूक जनता @ जयपुर। विधाधर नगर में एक पेड़ मा के नाम कार्यक्रम जी की पूरे भारत मे चल रहा है। माँ और प्रकृति दोनों ही निश्छल प्रेम के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के जरिए प्रकृति के संरक्षण हेतु नई पहल की है।जिसके तहत युवा मोर्चा महामंत्री मुकुल सिंह साँचोरा व टीम द्वारा पेड़ लगाए।सभी से विनम्र आग्रह भी किया कि हमारी धरती माँ को हरा-भरा बनाने के लिए वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक संख्या में पोधे लगाएं एवं उनका पोषण करें।श्री जगदम्बा मातेश्वरी मन्दिर समिति के अध्यक्ष भवर सिंह सचिव नवरतन सिंह ने मन्दिर परिसर में पौधे लगा कर संकल्प लिया। साथ ही, महेन्द्र चौधरी सुशील अग्रवाल मनोज गोयल दीपक धनोतिया पुष्प कुमार अभिमन्यु गोंड मनोज खोवाल रामानंद मोदी काफी सँख्या में लोगो ने पेड़ लगाकर एक पेड़ मा के नाम मुहिम को आगे बढ़ाया और हजारों पेड़ लगाने का संकल्प लिया।

भजन सरकार का पूर्ण बजट आज

राजस्थान विधानसभा में कल हंगामे के आसार, एक-दूसरे को घेरने के लिए कांग्रेस-भाजपा ने बनाया ये प्लान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में कल भजन सरकार की ओर से बजट पेश किया जाएगा। इस बजट सत्र के दौरान कांग्रेस– भाजपा आमने सामने दिखाई देगी। कांग्रेस की ओर से भाजपा को घेरने के लिए रणनीति तैयार की जा रही है। जयपुर में आज कांग्रेस विधायकों की बैठक होगी। जिसमें विपक्ष की ओर से पेपर लीक, जिलों को हटाने का मामला, जेडीए कार्रवाई, जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद करने सहित कई मुद्दों को सदन में उठाने को लेकर रणनीति तैयार की जाएगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि भजन सरकार के बजट में जनकल्याणकारी योजनाओं का अभाव रहने की सम्भावना है। भजन सरकार केवल योजनाओं का बंद करने, योजनाओं को सीमित करने, जॉच कराने, जिलों को खत्म करने में लगी रही। कोई भी ऐसा कार्य जो जनहित में हो, छः माह

में भाजपा की सरकार ने नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार के कार्य आपसी झगड़ों, इस्तीफों की घोषणा, दिल्ली सरकार की परिक्रमा करने तक सीमित रहे हैं। भाजपा ने चुनाव में किसानों को 12 हजार रूपए किसान सम्मान निधि देने का वादा किया था, इसके तहत् 6 हजार रूपये की राशि केन्द्र और 6 हजार रूपए की राशि राज्य सरकार को प्रदान करनी थी। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार ने केवल दो हजार रूपये सम्मान निधि बढ़ाकर देने की घोषणा की है, किन्तु यह राशि किसानों को कब मिलेगी, इसकी जानकारी राजस्थान सरकार नहीं दे रही है।

इधर, भाजपा ने भी विपक्ष को जवाब देने की तैयारी..

राजस्थान विधानसभा में विपक्ष को जवाब देने के लिए भजन सरकार की ओर से भी विशेष तैयारी की जा रही है। पूर्ववर्ती सरकार की खामियां ढूंढी जा रही है। सभी विभाग के प्रमुख अधिकारियों के पास निर्देश आए है। 6 बिंदुओं के माध्यम से विभागों से जानकारी मांगी जा रही है। पिछली सरकार द्वारा नहीं किए गए कार्यों की सूची बन रही है। जल जीवन मिशन घोटाला व बिजली उत्पादन जैसे अहम मुद्दों की सूची तैयार की जा रही है। पूर्व सरकार के ऐसे फैसलों की भी सूची बन रही है। जिनको लागू होने में लंबा समय लगा। पिछली सरकार के समय की बजट व प्रशासनिक समस्याओं की जानकारी जुटाई जा रही है। विभिन्न एफआईआर व जांच की भी विशेष लिस्ट बनाई जा रही है। ऐसे मुद्दे भी सूची में शामिल किए जा रहे है, जो पिछली सरकार नहीं सुलझा सकी थी। लेकिन भाजपा सरकार ने वह मुद्दे सुलझा लिए है। इन मुद्दों के आधार पर ही भाजपा सरकार विपक्ष को घेरेगी।

पर्यावरण संरक्षण एवं प्राणवायु के लिए वृक्षारोपण आवश्यक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भुसावर। पर्यावरण संरक्षण एवं प्राणवायु सहित नभचर संरक्षण जैसे उद्देश्य को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में कार्य कर रही समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग में शहीद सुशील कुमार शर्मा फाउंडेशन भी अपनी महती भूमिका निभा रहा है। शहीद सुशील कुमार शर्मा फाउंडेशन के राजस्थान संयोजक एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष द्वारा सेफ इंडिया फाउंडेशन, ट्री ग्रुप समाज सेवा विकास संस्थान, प्राण वायु संस्थान, विप्र फाउंडेशन जोन-1डी सहित मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग (भारत) जैसी संस्थाओं के साथ मिलकर राजस्थान के अनेक जिलो में वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है! शहीद सुशील कुमार शर्मा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान संयोजक यतेन्द्र पाण्डेय् ने बताया कि फाउंडेशन अपनी सहयोगी रजिस्ट्रर्ड सामाजिक संस्थाओ के साथ मिलकर राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों में वृक्षारोपण कार्यक्रम कर रहे हैं! राजस्थान में अत्यधिक प्राणवायु प्रदान करने वाले पौधों के साथ, मौसमी फलदार एवं औषधीय 5100 (पांच हजार एक सौ) पौधे लगाने का लक्ष्य है जिसमें लगभग 1000 से अधिक पौधों का रोपण किया जा चुका है साथी सभी सहयोगी संस्थाओं की स्वीकृति पर जल्द ही घर-घर तुलसी के पौधे वितरण का कार्य शुरू किया जाएगा प्रत्येक घर में तुलसी का पौधा हो इस थीम को लेकर कार्य गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रारंभ किया जाएगा वर्तमान में भरतपुर जिले में 101 देवालयों पर बिल्व पत्र के पौधों का रोपण प्रारंभ किया गया है इसी श्रृंखला में आषाढ़ माह की तृतीया सोमवार को दिसावर कस्बे के नाथू का नगला/ लालपुर रोड स्थित बनखंडी आश्रम (हनुमान मंदिर) पर सेवानिवृत्ति भू अभिलेख निरीक्षक जगदीश शर्मा, वासुदेव पांडे धर्मेंद्र गुप्ता एवं पंडित विष्णु पचौरी सहित अनेक भक्तों की अगवाई में बिल्व पत्र का वृक्षारोपण किया गया।

राज्य को कंज्यूमर-ट्रेडर फ्रेंडली स्टेट बनाया जायेगा

» जागरूक जनता @ जयपुर। उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा ने राज्य को कंज्यूमर-ट्रेडर फ्रेण्डली स्टेट बनाने की दिशा में नई पहल करते हुए लाइसेन्सिंग एवं निरीक्षण प्रक्रिया को सरलीकृत करते हुए कम्प्यूटराईज करने के निर्देश दिये हैं, ताकि राज्य में लाइसेन्सिंग एवं निरीक्षण प्रक्रिया सरलीकृत, भयमुक्त और जवाबदेह हो सके।गोदारा ने बताया कि इस पहल पर उपभोक्ता मामले विभाग ने इस दिशा में कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है। इस क्रम में प्रमुख शासन सचिव उपभोक्ता मामले भास्कर ए सावंत ने आदेश जारी किये हैं। जिसके तहत विधिक माप विज्ञान के अन्तर्गत ऑनलाईन संचालित बाट या माप विनिर्माता, व्यवहारी एवं मरम्मतकर्ता के लाईसेन्स नवीनीकरण की तीनों सेवाओं को निर्धारित देय शुल्क ऑनलाइन जमा कराने के उपरान्त तत्काल स्वतः कम्प्यूटराईज्ड व्यवस्था से ऐसे पात्र (Eligible) अनुज्ञापत्र धारकों का नवीनीकरण किया जा सके। प्रमुख शासन सचिव सावंत ने निरीक्षण और जांच व्यवस्था को भी समयबद्ध और पारदर्शी बनाने के क्रम में निर्देश जारी किये हैं। यह इन्सपेक्टर राज समाप्ति के क्रम में एक बड़ा कदम है। इसके अनुसार अधिकारियों द्वारा किये जाने वाले निरीक्षण अब कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था से आवंटित होंगे और 48 घन्टे के भीतर रिपोर्ट पोर्टल पर ऑनलाईन अपलोड की जायेगी। निरीक्षण और प्रवर्तन कार्यवाही गुणवत्ता पूर्ण होगी। इस क्रम में विभाग ने 09 बिन्दुओं का निर्धारण किया है। इसकी पूर्ति किया जाना आवश्यक होगा।

विशाखापट्नम में तीन सौ से ज्यादा दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ-पैर लगाए

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान का विशाखापट्नम में निःशुल्क नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर आयोजित हुआ। जिसमें आंध्र प्रदेश के 300 से ज्यादा दिव्यांगों को अपर-लोवर कृत्रिम अंग और केलिपर्स दिए गए। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव व सेवा भारती के स्टेट सचिव शंकर राव थे। प्रारम्भ में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने मंचासीन अतिथियों का मेवाड़ी परम्परा से स्वागत किया और संस्थान की एक मुट्ठी आटे से अब तक की सेवाओं से रूबरू कराया। शिविर में 100 वॉकर और 15 व्हीलचेयर भी बांटी गई। शिविर में कृत्रिम अंग पहनकर दिव्यांगों ने परेड की और फुटबॉल व बेडमिंटन भी खेला। इन दिव्यांगों के हौसले और जज्बे को देख पूरा पांडाल तालियों से गूंज उठा।

रावतसर में ओपन ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न, चवा विजेता, रावतसर उपविजेता

» जागरूक जनता @ रावतसर/बाड़मेर। ग्राम पंचायत रावतसर में तीन दिवसीय ग्रामीण ओपन फुटबॉल प्रतियोगिता का खेल स्टेडियम में सोमवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता में बारह टीमें ने भाग लिया। विजेता टीम चवा को सरपंच टीकूराम गोदारा की तरफ से ग्यारह हजार रुपए और उपविजेता टीम रावतसर को इक्यावन सौ रुपए का नक़द पुरस्कार दिया गया और समाजसेवी नवीन गोदारा की तरफ ट्रॉफी भेंट की गई। भामाशाह पेमाराम पोटलिया ने खिलाड़ियों व अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए। अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि करण गोदारा, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि गेनाराम मेघवाल,नवीन गोदारा, पेमाराम पोटलिया, लालाराम भांभू, डालू जाखड़, मदन पुनिया, सरपंच प्रतिनिधि कुंभाराम गोदारा, गंगाराम सेंवर, सुरजीत सिंह पंवार, लालाराम कड़वासरा, रूपाराम सारण, धन्नाराम चौहान, घेवर प्रजापत, जितेन्द्र संत, ठाकरदास संत, पाबूराम जाखड़, मांगीलाल शर्मा, मुकेश नाई, प्रकाश जाखड़, रमेश गोदारा सहित ग्रामीण मौजूद रहे। रैफरी की भूमिका हरिसिह पुनिया, हीराराम व महेश कुमार ने निभाई।इस अवसर पर खिलाड़ी व ग्रामीण मौजूद रहे।

जाखड़ की मूर्ति का अनावरण हुआ

हीरा नाम से ही नहीं,काम से भी हीरा था -पूनिया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

रावतसर/बाड़मेर। मालाणी के महापुरुष, समाज के प्रेरणास्त्रोत, महान आत्मा स्व.हीराराम जाखड़ की मूर्ति अनावरण समारोह रविवार हुआ। रंगाला के समाजसेवी ठाकराराम बाता ने बताया कि कार्यक्रम में पावन सान्निध्य जगरामपुरी महाराज पनोणियो का तला,आशभारती गोल मठ, रघुनाथभारती सिणधरी, उम्मेदगिरी मीठा मठ, जसभारती खारुडी, प्रेमदास शास्त्री नादडी, धन्नाराम रामद्वारा डाबली रंगाला,ओमगिरी डाबली मठ, साध्वी प्रेम बाईसा परेऊ का पावन सान्निध्य रहे। मुख्य अतिथि सतीश पूनिया पूर्व प्रदेशाध्यक्ष भाजपा ने कहा कि हीराराम जाखड़ नाम से ही नहीं काम से भी हीरा था और हर समय लोगों के हर कार्य के लिए तत्पर रहते थे। कद्दावर नेता हरीश चौधरी ने कहा कि हीराराम जाखड़ बगैर किसी लालच के हर समय लोगों के कार्य करवाते रहते थे उनका जाना क्षेत्र के लिए अपूर्णीय क्षति है। पूर्व हेमाराम चौधरी, पूर्व मंत्री हरीश चौधरी, विशिष्ट अतिथि जोगेशवर गर्ग, सांसद जालोर लुंबाराम चौधरी, पूर्व सांसद पाली बद्रीराम जाखड़, पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी, , भाजपा जिला महामंत्री बाड़मेर बालाराम मूढ़, विधायक सांचौर जीवाराम चौधरी, ओसियां विधायक भैराराम चौधरी, पूर्व विधायक भीनमाल पूराराम चौधरी, सुरेश चौधरी उपाध्यक्ष ग्रेनाइट एसोसिएशन जालोर,डालू जाखड़ रावतसर उपस्थित रहें। कार्यक्रम में जोधपुर संभाग भर से हजारों लोग शरीक हुए।

किसानों को कम लागत की तकनीकी उपलब्ध कराने पर दिया जोर

सैकड़ो कृषि वैज्ञानिकों ने किया मंथन

किसानों व छात्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर तैयार करें प्रोजेक्ट - कुलपति डॉ बलराज सिंह

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर में कुलपति डॉ बलराज सिंह की अध्यक्षता में सैकड़ो वैज्ञानिक ने मंथन किया। डॉ बलराज सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक को किसानों व छात्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर प्रोजेक्ट तैयार करने के प्रयास करने चाहिए, डॉ बलराज सिंह ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय की सभी इकाइयों में "एक पौधा मां के नाम" मुहीम के अन्तर्गत बड़े स्केल पर पौधारोपण कार्यक्रम 11 जुलाई से शुरू किया जाएगा । डॉ बलराज सिंह ने कहा कि खरीफ फसलों के लिए किसानों को कम लागत की तकनीकी को अपनाने के प्रयास करने चाहिए। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ एम आर चौधरी ने जेआरएफ की क्लास सेकंड ईयर व थर्ड ईयर से ही शुरू करने के लिए सलाह दी। साथ ही डॉ एम आर चौधरी ने छात्रों को उच्च गुणवत्ता रिसर्च के लिए सेरा व जे गेट का प्रयोग करने की सलाह दी। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सैकड़ो वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

50% महिला आरक्षण का बढ़ता विरोध, सड़कों पर किया प्रदर्शन

» जागरूक जनता @ रावतसर /बाड़मेर। राजस्थान सरकार ने ग्रेड थर्ड टीचर भर्ती में महिलाओं का आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। बाड़मेर के युवा आदर्श स्टेडियम में इकट्ठे हुए। वहां से रैली निकालकर मुख्य मार्गो से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। हाथों में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण हटाओ लिखी तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

छात्र नेता मुकेश मीणा ने कहा कि

इस आरक्षण में पुरुष युवाओं का हक मारा जा रहा है। छात्र नेता डालू जाखड़ ने कहा कि भजनलाल सरकार ने ग्रेड थर्ड टीचर भर्ती में आरक्षण में 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया है। बाड़मेर बेरोजगार संघ के बैनर तले राजस्थान सीएम के नाम का ज्ञापन जिला कलेक्टर को दिया है। छात्र नेता मुकेश डूडी का कहना है कि हमारी मांग है कि जब तक जातिगत जनगणना नहीं हो, तब तक आरक्षण में किसी तरह का कोई फेरबदल नहीं किया जाए। दरअसल, बीते दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रेड थर्ड शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है।

किसानों, पशुपालकों को मौसमी बीमारियों की दी जानकारी

» जागरूक जनता @ अविकानगर। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के पशु आनुवांशिकी एवं प्रजनन विभाग की मालपुरा परियोजना (NWPSI) के प्रधान अन्वेषक डा. पी .के. मलिक ने बताया कि मालपुरा क्षेत्र के गांव आमली, भीपुर एवं खेड़ा के पंजिकृत भेड़पालक किसान उददा गुर्जर, प्रभु गुर्जर, उम्मेद सिंह, रामलाल, धर्मा आदि किसानों को प्रदर्शन के रूप मे जानवरों के बाड़े में होने वाले परजीवी कीड़े, जु एवं चीचडे को खत्म करने के लिए व्यावहारिक तौर पर गैस से बाड़े की मिट्टी को जलाकर और समय-समय पर चुना पाउडर का छिड़काव करके परजीवी के कारण होने वाली समस्या को खत्म करके शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त किया जा सकता है। परियोजना प्रधान अन्वेषक ने किसानों को वर्तमान मे हो रही बारिश के मौसम में जानवरों की देखरेख किस प्रकार करनी ओर जानवरो मे होने वाली बीमारियों से किस प्रकार की सावधानी से बचाया जा सकता है उसके बारे मे विस्तार से बताया। प्रदर्शन कार्यकम मे उनके साथ मालपुरा सेक्टर प्रभारी योगीराज मीना एवं मालपुरा परियोजना की टीम उपस्थित रही।

ANCHOR प्रयास

विधायक आक्या की पहल पर गंभीरी नदी का बदलने लगा स्वरूप

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शहर के मध्य स्थित गंभीरी नदी के सफाई अभियान के तीसरे दिवस मंगलवार को भी निरन्तर विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के नेतृत्व में सोशल मिडिया के वॉटस्ऐप ग्रुप आजाद परिन्दा के सदस्यों, सुक्ष्म सेवा संस्थान, कीर समाज के युवा संगठन, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने श्रमदान कर गंभीरी नदी की सफाई का कार्य रात दिन जारी है। विधायक आक्या ने आमजन व सामाजिक सेवा संगठनों से गंभीरी नदी के स्वच्छता अभियान में सहयोग की अपील के दौरान शहर के उद्यमी एक्शन ईनाणी मार्बल एण्ड ग्रेनाईट के प्रोपराईटर राजेश ईनाणी द्वारा व अन्य कई स्वयंसेवी संस्था व कन्सट्रक्शन कम्पनियों द्वारा भी पोकलेण्ड, डम्पर, ट्रेक्टर व कटिंग मशीनें एवं अन्य उपयोगी संसाधन उपलब्ध कराये। इस दौरान शहर के समाज सेवी भोलाराम प्रजापत ने कहा कि धार्मिक आस्था, शहर के जलझुलनी एकादशी, गणपति विसर्जन, माताजी विसर्जन, कई धार्मिक कार्यक्रम शहर की गंगा गंभीरी नदी के तट पर होते है और यहां पर लम्बे समय से प्रशासन की लापरवाही व अनदेखी से गंभीरी नदी दुर्गन्ध मार रही थी। इस पर विधायक आक्या की पहल पर नदी के स्वरूप सौर्न्दय बढ़ता हुआ दिखाई देने से आमजन व कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। विधायक आक्या ने इसी दौरान नदी तट पर भगवान इन्द्र देव से शीघ्र अच्छी बरसात की कामना की ताकि किसानों को सिंचाई हेतु पानी व आमजन को भरपूर पेयजल उपलब्ध हो सके। कीर समाज के गौताखोरो एवं कार्यकर्ताओं ने आस पास की झांडियां व जलकुम्भी निकालने में अनिल ईनाणी, नवीन पटवारी, पार्षद बालकिशन भोई, दीपक वर्मा, पंकज सेन, गणेश भोई की देखरेख में देर रात्री तक स्वच्छता अभियान जारी रखा। इस अवसर पर सुशील शर्मा, भरत जागेटिया, भंवर सिंह खरड़ीबावड़ी, ओम प्रकाश शर्मा, कमलेश आमेरिया, राजन माली, रवि विराणी, चुन्नी लाल माली, गोपाल जाजू, मोनु सलुजा, फतेहलाल भड़कत्या, अशोक जोशी, अशोक सोनी, गोपाल शर्मा, राजकुमार कुमावत, मनोहर कुमावत, रतन वैष्णव, मोनु सोनी, गोपाल शर्मा, योगेश आश्नानी, राजेश मोची, पिन्टू मोदी, रूपेश सोनी, प्रदीप बोहरा, जगदीश मण्डोरा, सुनील लढ्ढा, कमल बिलोची, अनिल सुराणा, राहुल अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, राजेश शर्मा, नारू खान, पिन्टू मीणा, दीपक वर्मा, कुलदीप शर्मा, राहुल डिरा, पंकज सेन, राजकुमार तोलम्बीया, रवि बैरागी, अभिनन्दन काबरा, लादु लाल लोढा, दिलीप चौबे, मनीष नाहर, रतन लाल माली, सत्यनारायण माली, राजेश राव, मुकेश आमेरिया, लोकेन्द्र सिंह चौहान, अरविन्द शर्मा, सुनिल आगाल, संजय गर्ग, संजय शिशोदिया, पिनु मेनारिया, भागीरथ मालवीय, विजय गुप्ता, प्रवीण जैन, योगेश कन्नोजिया, लोकेश चौरडिया, भृगु शर्मा आदि कार्यकर्ता, उद्योगपति, मार्बल व्यवसाय व सामाजिक संगठन के पदाधिकारियो ने अपनी ओर से पहल करके आवश्यक संसाधन उपलब्ध करावाकर सफाई अभियान मे सहयोग दिया। आज प्रातः 7.00 बजे कुमावत समाज द्वारा स्वछता अभियान मे श्रमदान किया जाएगा।

प्ररूप – 10
(नियम 6 (7) देखिए)

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राजस्थान

क्रमांक 1268 दिनांक 09.07.2024

लोक सूचना

श्री राकेश कुमार पुत्र भानीराम जाति जाट निवासी भुवाड़ी तहसील राजगढ़ जिला चूरू हाल निवासी वार्ड नं. 24, तारानगर तहसील तारानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन (स्थान आदर्श महिला कॉलेज के पास भूखण्ड को व्यवसायिक एचपीसीएल पेट्रोल पम्प) के उपयोग हेतु भूमि को अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्र
चूरू तहसील तारानगर	तारानगर	2308/2271	1225.00 वर्गमीटर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90–क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के अउपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 09.07.2024 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

अमृत भारत स्टेशन योजना : तीव्र गति से किया जा रहा है अलवर स्टेशन का पुनर्विकास कार्य

20 करोड 61 लाख से अलवर रेलवे स्टेशन का होगा पुनर्विकास

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अलवर। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अलवर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों के लिए 20 करोड 61 लाख रुपए की लागत से मास्टर प्लान तैयार किया गया है तथा चरणबद्ध तरीकों से इन कार्यों का निष्पादन किया जा रहा है।

कृष्ण कुमार मीणा-वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर नें बताया की पुनर्विकसित अलवर स्टेशन पर नई अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं तथा मौजूदा सुविधाओं के अपग्रेडेशन से यात्रियों को बेहतर और उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान की जाएगी। अलवर रेलवे स्टेशन पर प्रथम चरण में निम्नलिखित कार्य प्रगति पर है। स्टेशन पर द्वितीय प्रवेश द्वार के भवन का कार्य एवं द्वितीय प्रवेश द्वार के सर्कुलेटिंग एरिया व प्रमुख प्रवेश द्वार का 75% कार्य पूर्ण कर लिया गया है। एवं स्टेशन पर प्लेटफॉर्म के जयपुर एंड पर प्रतीक्षालय(वेटिंग हॉल) का 75% व रेवाड़ी एंड पर प्रतीक्षालय (वेटिंग हॉल) का 70% कार्य कर लिया गया है एवं स्टेशन पर अन्य कार्य प्रगति पर हैं।

अलवर रेलवे स्टेशन पर किए जाने वाले कार्य

- स्थानीय कला और संस्कृति के अनुभव के साथ प्रवेश और निकास द्वार व सौंदर्यपूर्ण,चौड़ा और अच्छी रोशनी वाला प्रवेश द्वार बरामदा व बेहतर सर्कुलेटिंग एरिया।
- चौड़ी सड़कों के साथ सुगम पहुंच, पैदल यात्रियों एवं वाहनों के लिए मार्ग की व्यवस्था के साथ ही ड्रॉप और पिकअप की सुविधा।
- दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिएअलग-अलग पार्किंग की सुविधा।
- जल निकासी की व्यवस्था में सुधार।
- यात्री सूचना प्रणाली में सुधार, ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड का विस्तार व कोच इंडिकेशन डिस्प्ले सुविधा व प्रमुख स्थानों पर सूचना प्रदर्शन।
- जीपीएस घड़ियाँ व स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था में सुधार के लिए स्टेशन भवन की ऊर्जा दक्षता में सुधार,कम ऊर्जा वाली एलईडी रोशनी।
- यात्री सुविधाओं के लिए बुकिंग कार्यालय में सुधार,टिकट वेंडिंग मशीन,वातानुकूलित प्रतीक्षालय, उच्च स्तरीय पूर्ण लंबाई प्लेटफार्म, उचित बैठने की सुविधा के साथ प्लेटफार्म शेल्टर,शौतल एवं सामान्य पेयजल बूथ,फूड प्लाजा आदि की सुविधा।
- स्टेशन पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं में सुधार, प्रवेश रैंप, आरक्षित पार्किंग, कम ऊंचाई वाले काउंटर, दिव्यांग अनुकूल शौचालय, सहायता बूथ, रैंप के साथ प्लेटफार्म की पहुंच, स्पर्श मार्ग का दिग्दर्शन, कम ऊंचाई वाला वाटर बूथ,एफओबी रैंप और लिफ्ट का उपयोग एवं दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल लिपि में साइनेज,उद्घोषणा प्रणाली आदि।
- स्टेशन पर यात्री केंद्रित दृष्टिकोण की प्राथमिकता के साथ मौजूदा भवन का नवीनीकरण और स्थानांतरण।
- शहर के दोनों छोरों को जोड़ने के लिए एंड टू एंड थ्रू एप्रोच के लिए 12 मीटर चौड़े एफओबी का प्रावधान।
- यात्रियों के लिए लिफ्ट (3 संख्या) का प्रावधान।
- स्टेशन पर यात्री सुरक्षा के लिए से सहायता बूथ-यात्रियों को आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए प्रवेश और निकास दोनों पर सहायता बूथ।
- पूरे स्टेशन पर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा सीसीटीवी कैमरों को अपग्रेड करना।
- सार्वजनिक संबोधन प्रणाली - पूरे स्टेशन परिसर में यात्रियों को महत्वपूर्ण जानकारी के बारे में संबोधित करने के लिए पीए प्रणाली की पहुंच बढ़ाना।
- स्टेशन पर हरित स्थानों का विकास व कम पानी पीने वाली प्रजातियाँ का उपयोग,मौजूदा पेड़ों को बरकरार रखना,स्थानीय जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए परिदृश्य में देशी प्रजातियों का रोपण साथ ही परिसर में हरित क्षेत्र व लैंडस्केपिंग, हरित स्थानों का विकास।
- स्टेशन और परिसर के भीतर खुले स्थानों में एकीकृत कला साथ ही स्थानीय कला और संस्कृति को एकीकृत करना-मिट्टी के भित्ति चित्र,पेंटिंग जैसी स्थानीय कला और शिल्प को एकीकृत करना और स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा देना एवं स्थानीय संस्कृति और विरासत से प्रेरित भवन के अग्रभाग का पुनर्विकास व क्षेत्र की संस्कृति के बारे में यात्रियों को सूचित करने के लिए उपदेशात्मक तत्वों के रूप में साइनेज और सूचना बोर्ड लगाना।

सौम्य प्रभा श्री जी मा. सा. का चातुर्मास प्रवेश सम्पन्न

गुरुजी हमारो अंतर्नाद, हमने आपो आशीर्वाद से गूंजा केकड़ी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केकड़ी। श्री जैन श्वेतांबर तपागच्छ मूर्तिपूजक श्री संघ को आज 16 वर्ष बाद चातुर्मास मिला है। गुरु धर्मधुरंधर सूरीश्वर जी मा. सा. एवं महत्तरा सुमंगला महाराज का आशीर्वाद स्वरुप शासन प्रभावी का साध्वी सौम्या प्रभा महाराज साहब आदि ठाणा 4 का मंगल प्रवेश बीते दिनों केकड़ी नगर के हृदय पटल सब्जी मंडी स्थित आत्मवल्लभ आराधना भवन में हुआ। सम्पूर्ण चातुर्मास के लाभार्थी लालचंद पंकज कुमार ताथेड़ के स्वनिवास आदर्श कॉलोनी से साध्वी सौम्या प्रभा महाराज साहब, साध्वी सौम्या दर्शना महाराज साहब, साध्वी अक्षय दर्शना जी महाराज साहब, साध्वी परम दर्शना महाराज साहब आदि ठाणा 4 ने संघ के सभी श्रावक श्राविकाओं को मंगलिक एवं आर्शीवाद के साथ नगर प्रवेश किया। प्रवेश जुलुश आदर्श कॉलोनी से जयपुर रोड होते हुए जूनिया गेट, घंटाघर, अस्थल मोहल्ला स्थित शीतलनाथ जिनालय, आत्मवल्लभ आराधना भवन, चन्द्रप्रभु जिनालय, देवगांव गेट से होते हुए बघेरा रोड पर शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय तक गया। तत्पश्चात बघेरा रोड स्थित धूपिया फार्म हाउस पर धर्म सभा हुई। जुलूस में बैंड बाजे, ढोल नगारे, घोड़ियां बग्घी, विशुद्ध जय घोष, रंगोली सहित श्रावक श्राविकाओं के हुजूम ने सबका मन मोह लिया। भव्य रूप में चल रहा ये जुलुश शांति और शिष्टता का प्रतीक भी रहा। चातुर्मास संयोजक खेमचंद ताथेड़ ने कहा कि जुलुश की सभी व्यवस्था श्री शीतलनाथ नवयुवक मंडल को दी गई थी, जो कि सभी सदस्यों ने बखुभी निभाई है।

जागरूक खबरें

22 किलो प्रतिबंधित सिंग यूज प्लास्टिक जब्त

» जागरूक जनता @ सिरोही। स्वच्छ भारत मिशन 2024 के तहत नगर परिषद् आयुक्त भंवराराम पटेल के निर्देशानुसार शहर में उपयोग में लिए जा रहे प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्यवाही की नगर परिषद् की टीम द्वारा सदर बाजार में विभिन्न दुकानों से 22 किलो प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया एवं भविष्य में सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नही करने की हिदायत भी दी। नगर परिषद् के स्वच्छता निरीक्षक महीपाल सिह के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियंता सोहनलाल,नगर परिषद कर्मचारी दिक्षित कुमार, मोतीलाल, कैलाश कुमार, राजेंद्र द्वारा पॉलिथिन जब्त करने की कार्यवाही की गई।

जालोर डिस्ट्रिक्ट कबड्डी एसोसिएशन के चुनाव 28 को

» जागरूक जनता @ जालोर। जालोर डिस्ट्रिक्ट कबड्डी एसोसिएशन (एड -हॉक कमिटी) की एनुअल जनरल कौंसिल मीटिंग तथा इलेक्शन प्रोग्राम (अवधि 2024-2028 तक) 28 जुलाई को होटल कौशल इंटरनेशनल सांचोर में आयोजित होगी 7 उक्त कार्यक्रम राजस्थान स्पोर्ट्स एक्ट 2005 के साथ ही राजस्थान में सर्व प्रथम जालोर जिले में भारत सरकार द्वारा सम्पूर्ण देश में लागु नेशनल स्पोर्ट्स डेवलोपमेन्ट कॉड ऑफ़ इंडिया 2011 को अक्षरशः लागु कर गाइड लाइन की पलना की जाएगी। जालोर डिस्ट्रिक्ट कबड्डी एसोसिएशन (एड -हॉक कमिटी) के कोऑर्डिनेटर लाल सिंह सांखला ने जानकारी उपलब्ध करवाकर बताया की जालोर डिस्ट्रिक्ट कबड्डी एसोसिएशन के विभिन पदों यथा- संरक्षक अध्यक्ष चेयरमैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष उपाध्यक्षों सचिव संयुक्त सचिवों कोषाध्यक्ष सहित कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव में भारतीय राष्ट्रिय खेल विकास संहिता - 2011 को लागु कर दिया गया हैं इसके लागु होने से जिले में खेल प्रशासकों का कार्यकाल सुनिश्चित होगा तथा उत्कृष्ट खिलाडियों एवं विशेष कर महिलाओं का प्रत्येक पदों पर अनुपात में बराबरी की भागीदारी रहेगी ।

सम्मानः बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने बच्चों को किया गया सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सांचौर। उपखण्ड क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दाता के सभागार में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मनीषा भादू, अणसी, मनीषा खीचड़, वर्षा डारा, विकास, सीमा खीचड़, ममता चौधरी, निशा कुमारी, हितेश कुमार छात्र-छात्राओं को राजस्थानी संस्कृति के अनुसार साफ़ा एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

संस्था प्रधान रामनिवास बिश्नोई ने कहा कि शिक्षा पाने का लक्ष्य केवल निजी या सरकारी विभाग में उच्च पदों पर आसीन होना नहीं है,बल्कि श्रेष्ठ समाज की रचना में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना है। माता-पिता शिक्षक-शिक्षिका प्रबुद्ध नागरिक गुरु के आशीर्वाद से बच्चे अथक प्रयास से अच्छा परिणाम लाते हैं। सदैव विद्यार्थियों का विद्यालय परिवार सहयोग करते रहेगा। विद्यालय के व्याख्याता लाला राम चौधरी ने कहा के प्रतिभाओं के सम्मान से बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इसलिए नई प्रतिभाओं को दिशा निर्देश देने के साथ-साथ संसाधनों की पूर्ति में सहयोग देना आवश्यक है। व्याख्याता डॉक्टर इंदू बिश्नोई ने कहा कि हमारे विद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा सदैव बोर्ड परीक्षा एवं विभिन्न क्षेत्रों में भी सराहनीय कार्य करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। मार्गदर्शन व आशीर्वाद से विद्यार्थियों में काफी निखार आता है। समय-समय पर पढाई के अलावे जिला एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में भी सहभागिता सदैव विद्यार्थियों का रहता है।

इस अवसर पर सभी विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका एवं सम्मानित छात्र-छात्राएं अपने अनुभव एवं उदगार अन्य विद्यार्थियों के बीच प्रकट किए। इस अवसर पर प्राध्यापक नरसी लाल सोनी, वरिष्ठ अध्यापक मनोहरलाल बिश्नोई, भेराराम बिश्नोई, नारायणराम भादू, मोहनलाल विश्नोई, बाबूलाल सियोल, भोमाराम देवासी, रघुनाथराम मान्जु, रमेश चौधरी सहित छात्र छात्रा उपस्थित रहें।

स्वनिधि से समृद्धि शिविर

जियोटैगिंग में पालिका सुमेरपुर जिले में प्रथम स्थान पर व राजस्थान में दसवां स्थान पर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सुमेरपुर। अधिशाषी अधिकारी ओमप्रकाश दाधीच बताया कि 20 जुलाई तक 'स्वनिधि से समृद्धि शिविर' आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पी.एम. स्वनिधि योजनान्तर्गत स्वनिधि से समृद्धि कार्यक्रम के तहत लाभार्थियो की सामाजिक एवं आर्थिक प्रोफाईलिंग कर उन्हें भारत सरकार की योजनाओं यथा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, एक राष्ट्र एक राशनकार्ड, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, बिल्डिंग एवं अन्य निर्माण श्रमिक योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, जननी सुरक्षा योजना, तथा प्रधानमंत्री जन धन योजना, से लाभन्वित किया जा रहा है। जिसके तहत नगर पालिका सुमेरपुर ने अब तक 288 स्ट्रीट वेण्डर्स के परिवार को योजना से जोडा तथा 840 परिवार के सदस्यो को स्वनिधि से समृद्धि योजना के तहत मोबाईल जियोटैगिंग के द्वारा योजनाओ से जोडा गया। उक्त शिविर में अधिशाषी अधिकारी ओमप्रकाश दाधीच शिविर प्रभारी भरत कुमार ब्व् सामुदायिक संगठक एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर श्रवण कुमार मौजुद रहें।

राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलवाने हेतु अनिल राठौड़ के प्रयास अनवरत जारी

» जागरूक जनता @ जैसलमेर। राजस्थानी संस्कृति को जीवित रखने और राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलवाने के लिए राजस्थानी गानों के माध्यम से जैसलमेर जिले के ग्रामदानी गांव कबीर बस्ती निवासी अनिल राठौड़ द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे है। इन्हीं प्रयासों में उनकी दूसरी एल्बम "रंग राजस्थान रो 2.0" आ रही है। जिसमें राजस्थानी भाषा में चार राजस्थानी गीत है, जिनको इनके गुरु पंडित सतीशचंद्र बोहरा ने लिखा है एवं अनिल राठौड़ व पिंकी प्रजापत ने गाया है और म्यूज़िक प्रमोद स्टूडियो जोधपुर के सुनील दाधीच ने दिया है । इस एल्बम का पहला गीत पिया आया रे आज शाम 6 बजे इनके यूट्यूब चैनल "SARGAM BAND"पर आने वाला है जिसमें सवाई परिहार और मनाली द्वारा ऐक्टर्स की भूमिका निभाई गई है एवं शूटिंग और एडिटिंग एस.के.राठौड़ और साइन प्रवीण के द्वारा की गई है। टीम सरगम बैंड ने समस्त राजस्थानियों से निवेदन किया है कि आप राजस्थानी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए सरगम बैंड यूट्यूब चैनल पर अपलोड होने वाले इन समस्त राजस्थानी गीतों को ज़रूर सुने।

डेंगू विरोधी अभियान : चिकित्सक डेंगू प्रभावित क्षेत्रों पर रखे निगरानी-गुप्ता

» जागरूक जनता @ चित्तौडगढ। चिकित्सा एंव स्वास्थ्य विभाग के डा तारा चन्द गुप्ता सीएमएचओं ने वर्षा के शुरू होने से मौसमी बीमारियों को देखते हुए समस्त चिकित्सा अधिकारीयो को अपने अधिनस्थ कार्यक्षैत्र में अलर्ट मोड पर रह कर एन्टीलार्वल गतिविधियो के क्रियान्वित किये जाने के निर्देश प्रदान किये है। डॉ गुप्ता ने बताया कि जुलाई माह में विशेष डेंगू विरोधी अभियान संचालित किया जा रहा है। मेडिकल टीमे घर-घर सर्वे कर जानेगी आमजन के स्वास्थ्य के बारे में एंव मौके पर ही ब्लडस्लाईड बनाई जावेगी। दवाओ का वितरण किया जावेगा। चिकित्सा संस्थानो पर लार्वा डेमोस्ट्रेशन किया जा कर आमजन में डेंगू के प्रति जागरूक किया जावेगा। सीएमएचओ ने बताया कि आयुक्त नगरपरिषद् से शहरी क्षैत्र में वार्ड अनुसार कार्ययोजना अनुसार फोगिंग करवाये जाने एंव नालियो में कूड आयॅल डलवाये जाने तथा डीडीटी के छिडकाव हेतु अनुरोध किया गया है।

दिव्यांगजन कम्प्यूटर कोर्स के 12 प्रशिक्षणार्थियों को मिला प्रमाण-पत्र

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संचालित त्रैमासिक निःशुल्क कम्प्यूटर कोर्स के 29वें बैच का समापन हुआ। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने मानव मंदिर, सेक्टर-4 में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले 12 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भेंट करते हुए कहा कि दिव्यांग बन्धु-बहिनों को स्वरोजगारोन्मुखी इस प्रशिक्षण से समाज में नई पहचान मिलेगी और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण से दिव्यांगजन को नई तकनीकों में निपुणता प्राप्त होती है और आर्थिक उन्नयन के नए अवसर प्राप्त कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ते हैं। इस दौरान ट्रेनर स्वाति सोमानी भी मौजूद रही।

जेएलएन में रोगी के परिजनों को मिलेगा एक रूपए में भरपेट भोजन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अजमेर। जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय में आने वाले रोगियों के परिजनों को शीघ्र ही मात्र एक रूपए में पौष्टिक भोजन मिलेगा। जवाहर फाउंडेशन और स्वाभिमान ट्रस्ट से यह भोजन उपलब्ध होगा। अस्पताल में एक हैल्प डेस्क बनेगी, जहां रोगियों को उपचार संबंधी पूर्ण जानकारी व मार्गदर्शन मिलेगा। बारिश के मौसम से मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए अस्पताल पूर्णतः तैयार रहेगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अस्पताल प्रशासन की बैठक ली।

उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि जवाहर फाउंडेशन और स्वाभिमान ट्रस्ट की ओर से अस्पताल में एक भोजनशाला शुरू की जानी है। इसमें मात्र एक रूपए में भरपेट पौष्टिक भोजन दिया जाएगा। इसके लिए शीघ्र स्थान का चयन करें ताकि रसोई शुरू की जा सके। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में कई मौसमी बीमारियों का प्रकोप होता है। अस्पताल प्रशासन इनकी रोकथाम के लिए पूरी तैयारी रखे। इसी तरह अस्पताल प्रशासन एक हैल्प डेस्क स्थापित करे जहां प्रत्येक मरीज व उसके परिजनों को रोगों से संबंधित विभाग, वार्ड, बिल्डिंग, फ्लोर, डॉक्टर व जांच आदि से संबंधित सम्पूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। अस्पताल अधीक्षक ने कहा कि हैल्प डेस्क शीघ्र शुरू कर दी जाएगी।

घर मंगवाये जागरूक जनता हमें कहें.....

सदस्यता फार्म

दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
विश्वसनीय हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

शिक्षा राष्ट्र निर्माण भी करती है-मिश्र

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कुम्हेर (डीग)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि शिक्षा सतत चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में कौशल से जोड़ने वाली शिक्षा प्रदान करने पर जोर देते हुए नए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि शिक्षा ज्ञान प्राप्ति और सक्षम मानव शक्ति का सृजन ही नहीं करती बल्कि शिक्षा राष्ट्र का निर्माण भी करती है। उन्होंने 'विकसित भारत' के लिए युवाओं को सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

राज्यपाल कलराज मिश्र शुक्रवार को डीग जिले के कुम्हेर में स्थित महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। मिश्र ने बालिका शिक्षा को भी बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जहां बालिकाएं शिक्षा प्राप्त करती है, वह समाज तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ता है। उन्होने विश्वविद्यालय में बालिका शिक्षा के अवसर प्रदान करने और बेटियों को स्वर्ण पदक में अव्वल रहने पर बधाई भी दी। राज्यपाल ने नैनो मेडिकल के लिए विश्वविद्यालय के किए कार्यो को भी सराहा। उन्होंने कहा कि नए–नए अनुशासनों में ऐसे पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय तैयार करे जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में हमें सक्षम करें। उन्होनें युगानुरूप उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान किए जाने की भी आवश्यकता जताई।

मिश्र द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी, नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर वेंकटरमन रामाकृष्णन, नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर कार्ल बैरी शार्पलेस, प्रोफेसर गोवर्धन मेहता एवं प्रोफेसर सतीश त्रिपाठी को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की गई।

मिश्र ने समारोह में वर्ष 2022 व 2023 के लगभग 95 हजार स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। इनमे से 95 विद्यार्थियों को अच्छे अंक प्राप्त करने पर स्वर्ण एवं रजत पदक देकर सम्मानित किया गया। वही विश्वविधालय के 31 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने राज्य में आयोजित हो रहे रोजगार उत्सव की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के साथ कौशल विकास से भी निरंतर सम्पन्न कर रही है। राज्यपाल ने इससे पहले संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.रमेश चंद्रा ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

दिव्यांग और बुजुर्ग उपभोक्ताओं को घर बैठे मिलेगा राशन का बैग

» जागरूक जनता @ धौलपुर। बुजुर्ग और दिव्यांग एवं असहाय व्यक्ति को सरकारी राशन के लिए अब लाइन में नहीं लगना पड़ेगा। उनका अब राशन घर पर पहुंच जाएगा। इसके लिए रसद विभाग ने ऐसे लाभर्थियों की सूची तैयार की है। जो इस सीमा के दायरे में आते है। जिससे उनको राशन के लिए परेशान नहीं होना पड़े। प्रदेश सरकार राशन लेने वाले पात्र लाभार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (एनएसएफए) के तहत चयनित परिवारों को अब घर बैठे राशन उपलब्ध कराएगी। सरकार ने घर बैठे राशन उपलब्ध कराने की योजना को अपने बजट में शामिल करके घोषण की थी। जिसके बाद इन परिवारों का सत्यापन शुरू हो गया था। जिसके वितरण की अब शुरुआत होगी। योजना में शामिल परिवारों को घर बैठे राशन में मिलने वाला गेहूं उपलब्ध कराया जाएगा। इस सीमा में आने वाले परिवारों में 18 वर्ष से कम और 60 साल से अधिक आयु के बुजुर्ग व्यक्ति व दिव्यांग व्यक्ति शामिल है। रसद विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में इस श्रेणी में 11 हजार 707 परिवारों को इसका लाभ मिलेगा। जिसमें मिलने वाला गेहूं का बैग उपभोक्ता के घर पर मिलेगा। इसके वितरण के लिए राशन डीलर्स को अलग से मानेदय मिलेगा।

देश भर के 13 विधानसभा सीटों पर कल होगा चुनाव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। देश भर में लोकसभा चुनाव के संपन्न होने के बाद एक बार फिर से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन और राहुल गांधी के नेतृत्व वाली INDIA गठबंधन आमने-सामने है। दरअसल, देश भर के 7 राज्यों की तेरह विधानसभा सीटों पर कल उपचुनाव होना है। जिन सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें से कुछ सीटें विधायकों के सांसद बनने के बाद खाली हुई है तो कई सीटों पर विधायकों के निधन के बाद सीट खाली होने के कारण चुनाव कराया जा रहा है।

किस राज्य के कितनी सीटों पर हो रहा उपचुनाव

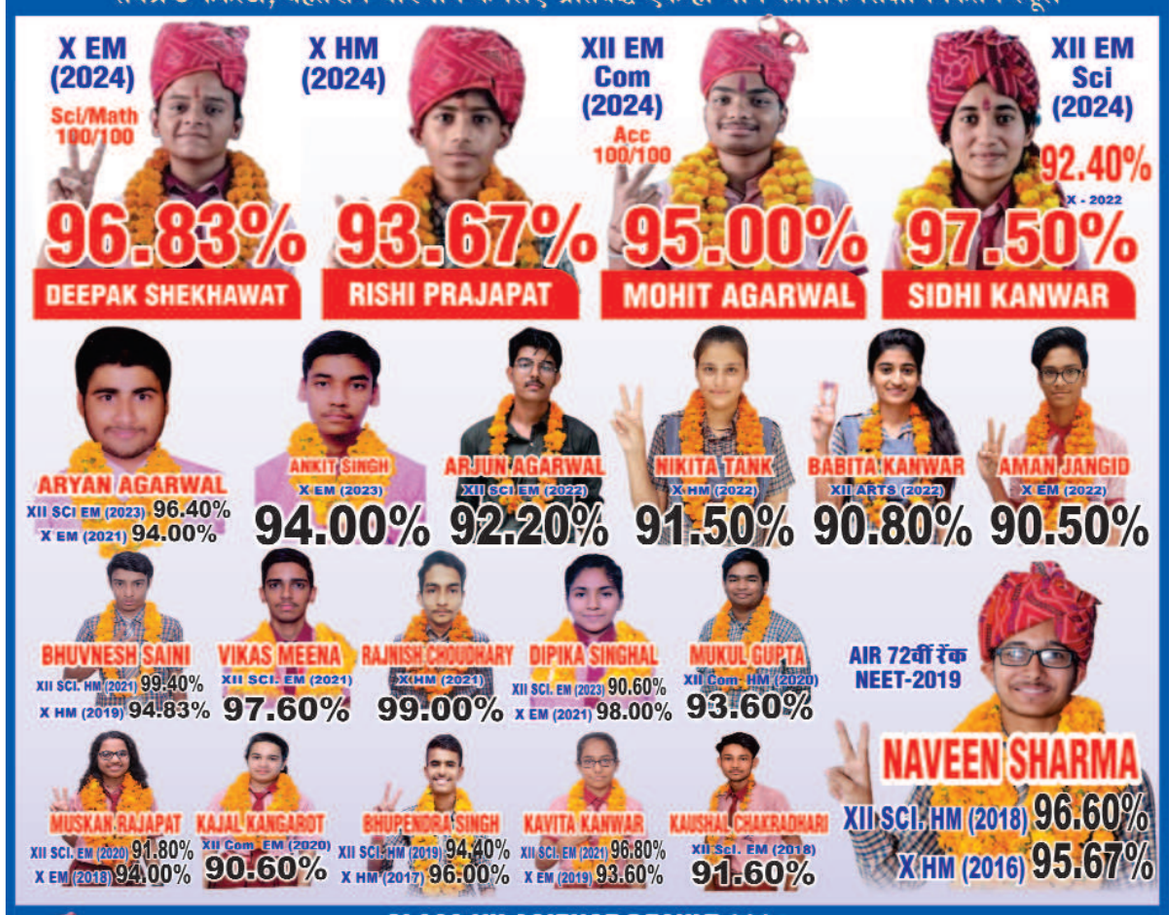

बता दें कि 10 जुलाई को बिहार की एक, बंगाल की 4, तमिलनाडु की 1, मध्य प्रदेश की 1, उत्तराखंड की 2, पंजाब की 1, हिमाचल की 3 सीटों के लिए मतदान होगा। इन सीटों पर उपचुनाव का नोटिफिकेशन 14 जून को जारी हुआ था, नामांकन की आखिरी तारीख 21 जून रही और स्क्रूटनी भी 24 जून को हो चुकी है। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 26 जून तय की गई थीं। इन सारी प्रक्रियाओं के बाद अब 10 जुलाई को वोटिंग होनी है, जिसके नतीजे 13 जुलाई को आएंगे।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड़, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जागरूक खबरें

विनायक एकेडमी में बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान सरकार के पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के दौरान कालवाड़ रोड स्थित विनायक किड्स एकेडमी अनुविहार में बालक बालिकाओं को पोलियो की दवा (दो बूंद जिंदगी की) पिलाई गई स्कूल निदेशक अलका शर्मा ने बताया बच्चे देश की संपदा है इन्हे स्वस्थ रखना हमारा कर्तव्य है प्रिंसिपल मनीषा पारीक ने स्वयं की निगरानी में पोलियो की दवा वितरण करवाई, पोलियो मुक्त भारत एवं बच्चों के माता-पिता को बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। स्कूल निदेशक अलका शर्मा, प्रिंसिपल मनीषा पारीक, समस्त स्टॉफ तनुजा, आंचल,साक्षी,ज्योति,तनुजा ,इंदिरा, उपस्थित रहे।

पौधारोपण को लेकर जिला कलक्टर ने ली बैठक

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। हरित चित्तौड़ वृक्षारोपण अभियान के तहत जिले भर में 11 लाख 44 हजार से अधिक पेड़-पौधे लगाए जाएंगे। अभियान को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई है। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने समिति कक्ष में अभियान को लेकर अधिकारियों की बैठक लेकर आवंटित लक्ष्यों, वर्षा काल में अब तक लगाए गए पौधों एवं उनकी फेंसिंग आदि को लेकर विस्तृत चर्चा कर अधिकारियों को निर्देश दिए।

लायन्स क्लब ने कराया 401वां नेत्रदान

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। शास्त्री नगर निवासी पवन, संजय पाटनी के पिता स्व.प्रेम पाटनी का आकस्मिक निधन होने पर परिवार के परिजनो द्वारा लायन्स क्लब के सहयोग से नेत्रदान करवाकर अनुकरणीय कार्य किया। क्लब की ओर से पाटनी परिवार के प्रति अपनी कृतज्ञता एवं शोक प्रकट किया गया।

क्लब ने यह 401वा नेत्रदान प्राप्त कर गोमाबाई नेत्रालय नीमच में भिजवाये। उक्त नेत्र उत्सर्जन कार्य को राहुल छिपा ने संपन्न कराया। अध्यक्ष बसन्ती लाल वेद, एस एन बंसल, मनजीत सिंह, दीपक वैष्णव, अशोक सोनी, आर सी शर्मा ने इस अनुकरणीय कार्य में सहयोग किया।

सिंधीकैम्प बस स्टेन्ड पर भीड़भाड़ की स्थिति में आयेगी कमी

हीरापुरा बस टर्मिनल पर बसों का संचालन 15 अगस्त से शुरू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं राजस्थान राज्य बस टर्मिनल विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती श्रेया गुहा ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर कार्यवाही करते हुए 15 अगस्त से अजमेर रोड स्थित हीरापुरा बस टर्मिनल से बसों का संचालन शुरू करने के लिए सभी आवश्यक इंतज़ाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। इसके साथ ही उन्होंने जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (जेसीटीएल) के अधिकारियों को शहर के विभिन्न हिस्सों से हीरापुरा के लिए अपनी सिटी ट्रांसपोर्ट सेवाओं के विस्तार के भी निर्देश दिये।

श्रीमती गुहा मंगलवार को परिवहन मुख्यालय पर हीरापुरा बस टर्मिनल के संचालन को लेकर यातायात पुलिस, जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज़ लिमिटेड(जेसीटीएल), परिवहन विभाग एवं रोडवेज के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने इस संबंध में सभी हितधारक विभागों से तैयार रोडमैप पर कार्य कर सभी जरुरी मूलभूत इंतज़ाम करने के भी निर्देश दिये। श्रीमती गुहा ने कहा कि जेडीए यात्रियों की सुविधा और बसों के संचालन के लिए टिकिट विंडो, छाया के लिए शेड, पेयजल एवं शोचालयों सहित सभी बुनियादी सुविधाएं तय समय में विकसित करें।

उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त से सिंधीकैम्प से अजमेर जाने वाली रोडवेज की 25 प्रतिशत बसें हीरापुरा बस टर्मिनल होते हुए अजमेर के लिये संचालित होगी।

यह सभी बसें सिंधी कैम्प से चलकर हीरापुरा बस टर्मिनल होते हुए अजमेर जाएगी। इसके साथ ही इस मार्ग पर संचालित होने वाली सभी स्टेट कैरीज एवं लोक परिवहन सेवा की बसों का संचालन भी हीरापुरा बस टर्मिनल से ही किया जाएगा। श्रीमती गुहा ने बताया कि इससे सिंधीकैम्प पर भीड़भाड़ की स्थिति में कमी आयेगी साथ ही आमजन को जाम की समस्या से भी निजात मिल सकेगी।

इस अवसर पर परिवहन आयुक्त डॉ मनीषा अरोड़ा, जेसीटीएल के प्रबंध निदेशक श्री रामावतार मीना, पुलिस उपायुक्त यातायात श्री सागर, सहित रोडवेज और जेडीए के अधिकारी मौजूद रहें।

ब्लैक लिस्टेड 289 बस सारथी बहाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम में ब्लैक लिस्ट किए गए करीब 289 बस सारथी बहाल कर दिए गए हैं। बिना टिकट यात्रा कराने सहित अन्य अनियमितताओं में लिप्त पाए जाने पर इन्हें ब्लैक लिस्ट किया गया था। अब इन्हें बसों के संचालन की कमान मिल जाएगी। इन्हें प्रति माह 15 हजार रुपए तक दिए जाते हैं। लेकिन अमूमन ये बस सारथी बिना टिकट यात्रा कराते पाए जाते हैं। इधर, सवाल है कि घाटे से जूझने के बाद भी बस सारथियों पर सख्ती नहीं की जा रही है। रोडवेज ने बस सारथियों के लिए पॉलिसी भी संशोधित की है। इसके बाद भी बिना टिकट यात्रा कराने के मामले सामने आ रहे हैं।

ताकि ज्यादा यात्रियों का रिकॉर्ड नहीं आए

दरअसल, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की ओर से बस सारथियों को टारगेट दिया जाता है। ऐसे में बस सारथी टारगेट पूरा करने के बाद बस में अतिरिक्त यात्रियों को बिना टिकट यात्रा कराते हैं। उनसे किराया तो लिया जाता है, लेकिन टिकट नहीं दिया जाता। रोडवेज के उड़नदस्तों की जांच में ये बस सारथी पकड़े जाते हैं और ब्लैक लिस्ट कर दिए जाते हैं।

ये हैं बस सारथी के लिए नियम

» एक से चार यात्री बिना टिकट के तीन प्रकरण पाए जाने पर बस सारथी को ब्लैक लिस्टेड करते हैं। निगम में जमा प्रतिभूति राशि जब्त होती है। तीन माह के लिए कार्य करने के लिए बस सारथी अपात्र होता है। तीन माह बाद पूर्व में जमा कराई गई प्रतिभूति राशि की दोगुना राशि निगम में जमा कराने पर ही पुनः आवेदन कर सकते हैं।

» 5 से 9 यात्री बिना टिकट पाए जाने पर बस सारथी को ब्लैक लिस्ट कर पूरी प्रतिभूति राशि जब्त की जाएगी। छह माह तक काम नहीं करने के लिए अपात्र होगा। इसके बाद पूर्व में जमा प्रतिभूति राशि की दोगुनी राशि जमा कराने पर पुनः आवेदन कर सकते हैं।

» 10 या इससे अधिक यात्री बिना टिकट यात्रा करने पर निगम में जमा कराई प्रतिभूति राशि जब्त होगी। एक साल के लिए बस सारथी अपात्र होगा। एक साल बाद पूर्व में जमा कराई राशि की दोगुनी राशि जमा कराकर पुनः आवेदन कर सकते हैं।

सिंधी समाज का मोटीवेशनल सेमीनार आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। पूज्य सिंधी पंचायत विकास समिति एवं उदय अकादमी कॉउंसिल नागपुर की राजस्थान ईकाई के संयुक्त तत्वाधान में प्रताप नगर स्थित ओम शांति भवन में सिंधी समाज के युवाओं के लिए आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, आईएएफ व युपीएससी की अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेषज्ञो द्वारा निःशुल्क मार्गदर्शन मोटीवेशनल सेमीनार का आयोजन किया गया। योगेश भोजवानी ने बताया कि आयोजित मोटिवेशनल सेमीनार के मुख्य अतिथि भाटिया एण्ड कम्पनी के निदेशक राम गुरबानी, बुधरमल भोजवानी, विशिष्ट अतिथि कमलेश खटवानी, गोविन्दराम मेलवाणी, डॉ. सुरेश बबलानी, प्रो. रोमा चांदवानी, कमल मेहतानी, सोनु गोस्वामी, रमेश दातवानी, ज्ञानेन्द्र ज्ञानी व कार्यकारिणी सदस्य मनोज भोजवानी थे। अतिथियो द्वारा भगवान झुलेलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम शुरूआत की गई। सभी अतिथियो का उपरना ओढ़ाकर स्वागत किया गया। सेमीनार में विभिन्न विशेषज्ञो द्वारा युपीएससी परीक्षाओं की पूर्व व मुख्य परीक्षा की तैयारी, विषय चयन, सिंधी भाषा विषय लेने से होने वाले लाभ सहित अनेक विधाओ की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान युपीएससी जियोसांइटिस्ट परीक्षा में समूचे देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले चित्तौड़गढ़ के करन आसनानी, तीन गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली भारती भावनानी, भीलवाड़ा की एमए परीक्षा मे गोल्ड मेडलिस्ट ममता मंगनानी सहित अनेक विद्यार्थियो ने अपने अपने अनुभव साझा किये। अनिल हरियानी ने बताया कि चित्तौडगढ़, निम्बाहेड़ा व भीलवाड़ा सिंधी समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियो को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मोतीराम खटवानी, शोभराजमल फुलवानी, मनोहर दासानी, दिलीप नेभनानी, विनोद फुलवानी, हरिश रोगानी, वंदना वजिरानी, सिंधी पंचायत निम्बाहेड़ा अध्यक्ष मुरलीधर चुगवानी सहित समाजजन उपस्थित थे।

जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां जोरो पर

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। आगामी 13 जुलाई को होने जा रही जगन्नाथ रथ यात्रा के लिए इस्कॉन मंदिर से जुड़े भक्तों द्वारा तैयारियों स्वरूप घर घर जाकर निमंत्रण दिया जा रहा है। मंदिर से जुड़े मधुर मुरली दास, र% नाभ दास, घनश्याम देव दास, दिव्य राम दास, प्रमोद पुरोहित, बालकृष्ण शर्मा, कैलाश व्यास, एवंत साहू, कार्तिक वैष्णव, भावेश लक्ष्कार, रोहित जीनगर, जय शर्मा, हर्ष पुरोहित, हितेश नायक, वंश सोनी, कन्हैया गुर्जर आदि भक्त प्रतिदिन सुबह एवं सांय शहर की विभिन्न कॉलोनी में जाकर लोगों को रथ यात्रा के पेंपलेट बांटकर रथ यात्रा की जानकारी दे है। रथ यात्रा के लिए भक्त गण उत्साहित है। इस बार तीसरी बार यह आयोजन होगा जिसमें जयपुर एवं वृंदावन की कीर्तन मंडलियों द्वारा संकीर्तन, राजस्थानी बैंड, झांकी, महाप्रसाद वितरण आदि कई कार्यक्रम होंगे। रथ यात्रा मीरा मार्केट इस्कॉन मंदिर से 3 बजे प्रारंभ होकर सुभाष चौक तक जायेगी एवं रथ यात्रा के पश्चात ऋतुराज वाटिका में सभी भक्तों की लिए महाप्रसादी की व्यवस्था रहेगी।

भू माफियाओं पर नकेल कसेगी सरकार

» जागरूक जनता @ जयपुर। औद्योगिक क्षेत्रों को रियल एस्टेट बाजार बनाने से रोकने के लिए राज्य सरकार रीको लैंड डिस्पोजल रूल्स में संशोधन करने जा रही है। इसमें उत्पादन शुरू करने से लेकर पेनल्टी लगाने तक की समय सीमा को कम किया जा सकता है। बाजार से सस्ती दर पर जमीन लेकर उसे बेचकर मुनाफा कमाने वालों पर भी सती होगी। उद्योग मंत्री के निर्देश पर रीको इस पर होमवर्क कर रहा है। रीको अधिकारियों के मुताबिक पिछले दो साल में भूखंड आवंटन शर्तों की पालना नहीं कराने वाले करीब 48 आवंटन निरस्त किए हैं। राजस्थान को इंडस्ट्री हब बनाने के लिए सरकार उन्हीं लोगों को जमीन आवंटन करना सुनिश्चित करेगी, जो वास्तव में इंडस्ट्री लगाना चाहते हैं। ऐसे लोगों के औद्योगिक अनुभव और भविष्य की प्लानिंग पर भी बात होगी।

अभी यह है प्रावधान

भूखंड आवंटन के 3 साल तक वहां औद्योगिक इकाई स्थापना से लेकर उत्पादन शुरू करना होता है। यदि इस समय सीमा में इंडस्ट्री शुरू नहीं होती तो आवंटी को 7 साल का और समय दिया जाता है। इसके लिए पेनल्टी लगाकर मौका देने का प्रावधान है। यानी दस साल तक उत्पादन शुरू नहीं कर पाए तो आवंटन निरस्त किया जा सकता है। अधिकतर मामलों में ऐसा ही हो रहा है।

विधायक भी मुखर : विधायकों ने विधानसभा में भी रीको के औद्योगिक क्षेत्रों में कई आवंटियों की ओर से इंडस्ट्री नहीं लगाने, जमीन को दूसरों को बेचने या लीज पर देने जैसे मामले उठाए। अनिता भदेल, यूनुस खान, सुभाष गर्ग, प्रियंका चौधरी सहित अन्य विधायकों ने इन मामलों से अवगत कराया।

गर्मी से सब्जी पैदावार घटी, बरसात से गली, भाव तेज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भुसावर। ज्यादा गर्मी पड़ने से सब्जी की पैदावार घट गई थी ,अभी बरसात से खेतों में पानी भरने के कारण सब्जी की फसल गलने लगी है, खराब हुई है ,जिसके कारण सब्जियों के भाव आसमान छू रहे हैं। अधिकतर हरी सब्जियों के भाग 50 से 60 रुपए प्रति किलो हैं। इससे गरीबों की थाली से सब्जियां घट रही है। फल एवं सब्जियां शरीर के लिए आवश्यक खनिज लवण व विटामिन का प्रमुख स्रोत है सब्जी महंगी होने के कारण यदि हम कम सब्जी खाते हैं तो खनिज लवण एवं विटामिन की पूर्ति नहीं होने के कारण व्यक्ति बीमार हो जाता है ,शरीर में कमजोरी महसूस होगी तथा मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाएगी, एक वयस्क व्यक्ति को कम से कम 300 ग्राम सब्जी प्रतिदिन खाने की सलाह दी जाती है । कम फल व सब्जी खाने से गर्भस्थ शिशु भी कमजोर होगा इससे एनीमिया, रतौंधी, बेरी -बेरी ,कब्ज होना, हड्डियां कमजोर होना, नपुंसकता आदि रोग बढ़ जाते हैं! कृषि महाविद्यालय के डीन डॉक्टर उदयभान सिंह ने बताया कि फल एवं सब्जी की पूर्ति के लिए हमें बाजार पर निर्भर रहने के बजाय घर के पास खाली पड़ी जमीन, घर की छत, गैत, ट्यूबवेल के पास की जमीन अथवा गमले में सब्जी लगानी चाहिए इससे ताजी व रसायन मुक्त सब्जियां मिलेगी, इससे रसोई व नहाने धोने में प्रयुक्त पानी का सब्जी उगाने में सहयोग होगा।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.com
विश्वसनीय समाचार पत्र

जी हाँ,यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।

जो दिखेगा वही बिकेगा

आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की
जागरूक जनता के साथ

विज्ञापन क्लासीफाइड डिस्प्ले प्रॉपर्टी वैवाहिक

विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070

ANCHOR सम्मान

शिक्षा क्षेत्र में दिया गया दान ईश्वर की नजर में सर्वोत्तम दान-भामाशाह कालूराम

स्कूलों में विकास कार्य करवाने वाले भामाशाहों व प्रेरकों को जिला स्तर पर मिला शिक्षा श्री अवार्ड

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सांचौर। पीएम सती बेन छगनलाल बोकाडिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सांचौर के प्रांगण में जिला कलेक्टर शक्ति सिंह राठौड के मुख्य अतिथि,चंद्रशेखर भंडारी एडीएम की अध्यक्षता, भैराराम चौधरी जिला शिक्षा अधिकारी, पूनम चंद बिश्नोई ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के सानिध्य में आयोजित किया गया। सत्र 2023 24 में जिला सांचौर के विभिन्न विद्यालयों में विकास कार्य करवाने वाले भामाशाहों का जिला स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन हुआ जिसमें अनेक भामाशाहों को शिक्षा श्री अवार्ड, प्रशस्ति पत्र, साफा, शाल एवं मोमेंटो द्वारा सम्मानित किया गया साथ ही भामाशाहों को प्रेरित करने वाले प्रेरक शिक्षकों का भी प्रशस्ति पत्र,साफा,शाल एवं मोमेंटो द्वारा सम्मान किया गया। भामाशाह सम्मान समारोह में जिला कलेक्टर शक्ति सिंह राठौड़ ने कहा कि विद्यालयों का संपूर्ण विकास भामाशाहों की सहयोग से ही संभव है साथ ही शिक्षा के लिए दान को उन्होंने सर्वोपरि दान की संज्ञा दी।

जिला शिक्षा अधिकारी भैराराम चौधरी ने सभी भामाशाहों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इसी तरह विद्यालयों में अधिक से अधिक सहयोग करने एवं अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। भामाशाह कालूराम बिश्नोई हरियाली ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में दिया गया दान ईश्वर की नजर में सर्वोत्तम दान है। इसलिए विद्यालय से सफलता प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं, जनप्रतिनिधियों व भामाशाहों को विद्यालय की भौतिक विकास में सक्रिय योगदान देना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान भामाशाह कालूराम बिश्नोई हरियाली,चंपालाल,जीवाराम सुथार, राकेश कुमार, केवदाराम, करमीराम, श्रीराम बिश्नोई, हजाराम, निंबाराम चौधरी,आशु राम, बलवंत सिंह, लाबूराम सारण, कल्पेश मोदी, हरिसिंह, शंकराम,हेमाराम एवं बाबूलाल उपस्थित रहे। प्रेरक शिक्षक के रूप में करण सिंह, ओम प्रकाश, बुद्धाराम भादू, किशन लाल बिश्नोई, राजूराम खिलेरी,मुकेश कुमार सैनी एवं जगदीश कुमार ने सम्मान प्राप्त किया। इस मौके पर पूनम चंद बिश्नोई सीबीओ सांचौर, पोपटलाल मेघवाल एसीबीईओ सांचौर, भंवरलाल बिश्नोई सीबीइओ सरनाऊ, किशनलाल सारण राज्य पुरुस्कृत शिक्षक व आरपी सांचौर, रामेश्वरी बिश्नोई प्रधानाचार्य,रमजान खान सहायक प्रशासनिक अधिकारी, जगदीश कुमार कनिष्ठ सहायक उपस्थित रहे। मंच संचालन मनोहर लाल आरपी एवं नरेंद्र कुमार शर्मा ने किया।